R.N.I. NO. UPHIN/2013/55150

हिन्दी दैनिक

लखनऊ का अभिमान

लखनऊ, अयोध्या, गोण्डा, बाराबंकी, सुलतानपुर, उन्नाव, कानपुर, सीतापुर, हरदोई से एक साथ प्रसारित।

हर खबर पर नजर, नगर-नगर, डगर-डगर

वर्ष : 10 अंक :155 लखनऊ गुरुवार 05 दिसम्बर 2024 पृष्ठ- 08 मूल्य- 2.00 रुपया

अनुशासन से ही सर्वांगीण विकास संभव, जीवन के लिए भी जरूरी: सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है। सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एम पी) शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी-20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। शिक्षा परिषद की 92 वर्ष की यात्रा समग्र मूल्यांकन का अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियों और इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे। देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया। आज का दिन अनुशासन पर्व, सफलता के लिए एकाग्रता, कठिन परिश्रम और टीम भावना जरूरी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अनुशासन पर्व है। जीवन मे सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है।

विपक्षी सांसदों पर भड़के धनखड़

मगरमच्छ के आंसुओं से नहीं होगा किसानों का हित

नई दिल्ली। विपक्ष ने मांग की कि किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग पूरी की जानी चाहिए और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष के अपनी मांग पर कायम रहने के बावजूद धनखड़ ने कहा कि विपक्ष केवल मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है और नाटक कर रहा है।

मगरमच्छ के आंसुओं से किसानों का हित नहीं पूरा होगा। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र की शुरूआत के बाद से नियम 267 के तहत दायर कोई भी नोटिस किसानों के मुद्दों से संबंधित नहीं है। राज्यसभा के सभापति और उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने बुधवार को किसान विरोध का मुद्दा उठाने की विपक्ष की मांग पर आपत्ति जताई और दावा किया कि वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने इस मांग को मगरमच्छ के आंसू करार दिया, जिससे विपक्षी नेताओं का एक वर्ग सदन से बाहर चला गया। सदन की बैठक शुरू होते ही धनखड़ ने कहा कि वह तमिलनाडु में चक्रवात, किसानों, अडानी समूह के खिलाफ आरोपों और उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा जैसे मुद्दों को उठाने के लिए चर्चा के लिए नोटिस स्वीकार नहीं कर सकते। विपक्ष ने मांग की कि किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग पूरी की जानी चाहिए और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष के अपनी मांग पर कायम रहने के बावजूद धनखड़ ने कहा कि विपक्ष केवल मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है और नाटक कर रहा है। मगरमच्छ के आंसुओं से किसानों का हित नहीं पूरा होगा। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र की शुरूआत के बाद से नियम 267 के तहत दायर कोई भी नोटिस किसानों के मुद्दों से संबंधित नहीं है। इसके बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के विधायक नारेबाजी करते हुए सदन के वेल के पास जमा हो गए।

तेलंगाना के बाद महाराष्ट्र में भी भूकंप के झटके

नागपुर। तेलंगाना के मुगुल में बुधवार को भूकंप आने के बाद महाराष्ट्र के नागपुर और गढ़चिरौली जिलों में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार मुलुगु में सुबह सात बजकर 27 मिनट पर 5.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के सूत्रों और स्थानीय निवासियों के अनुसार नागपुर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार गढ़चिरौली जिले में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। आईएमडी के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के हल्के झटके आमतौर पर भूकंप के केंद्र से 200 से 300 किलोमीटर दूर महसूस किए जाते हैं।

पंजाब को बदनाम करने की बड़ी साजिश

सुखबीर सिंह बादल पर हमले में कई ताकतें शामिल: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि सुखबीर सिंह बादल पर हमले में कई ताकतें शामिल हैं। बुधवार सुबह नारायण सिंह चौरा नाम के एक शूटर ने पंजाब के पूर्व सीएम सुखबीर सिंह बादल पर गोलियां चलाईं। हालाँकि, यह बादल के पीछे की दीवार से टकराया और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुरक्षित भागने में सफल रहे। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सुखबीर बादल पर हमले की निंदा की और कहा कि एक बड़ी त्रासदी को टालने के लिए पंजाब पुलिस प्रशंसा की पात्र है। बादल पर हमले को लेकर केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में कहा कि यह पंजाब एवं पंजाबियों को बदनाम करने की बड़ी शक्तियों की साजिश है। भाजपा पंजाब में कानून व्यवस्था का मुद्दा उठा रही है लेकिन वह दिल्ली में हो रही हत्याओं, बलात्कार एवं गोलीबारी की घटनाओं पर चुप है। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि

सुखबीर सिंह बादल पर हमले में कई ताकतें शामिल हैं। बुधवार सुबह नारायण सिंह चौरा नाम के एक शूटर ने पंजाब के पूर्व सीएम सुखबीर सिंह बादल पर गोलियां चलाईं। हालाँकि, यह बादल के पीछे की दीवार से टकराया और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुरक्षित भागने में सफल रहे। केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए कहा कि आज पंजाब में एक घटना घटी, एक बड़ी घटना टल गई। पंजाब के पूर्व सीएम सुखबीर सिंह बादल पर एक शख्स ने गोली चलाने की कोशिश की, वह सुरक्षित हैं, मैं घटना की निंदा करता हूं। लेकिन एक बात तो साफ है कि ये पंजाब और पंजाबी लोगों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश है. इसमें कई ताकतें शामिल हैं।

महायुति ने राज्यपाल के सामने पेश किया सरकार बनाने का दावा

हम साथ मिलकर काम करेंगे: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र में सीएम पद और सरकार गठन को लेकर चल रहा इंतजार बुधवार को खत्म हो गया। महायुति नेताओं ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। महायुति में शामिल भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे और एनसीपी नेता अजित पवार ने राजभवन में राज्यपाल को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। इस दौरान राज्य के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और विजय रूपाणी भी मौजूद रहे। देवेंद्र फडणवीस पांच दिसंबर को महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ लेंगे। राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमने राज्यपाल से मुलाकात की और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए समर्थन पत्र सौंपा। हमारे गठबंधन सहयोगी शिवसेना और एनसीपी ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि मुझे महायुति के सीएम के रूप में शपथ दिलाई जाए। राज्यपाल ने सभी अनुरोध स्वीकार कर लिए हैं और हमें कल शाम 5.30 बजे शपथ समारोह के लिए आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मैं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए मेरे नाम का समर्थन किया है। एनसीपी नेता अजित पवार ने भी मेरे नाम की सिफारिश की। सीएम, डिप्टी सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। पिछले ढाई साल में हमने साथ मिलकर काम किया है। आगे भी हम सब मिलकर अच्छी सरकार देने का प्रयास करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि हमने जो वादे जनता से किए हैं वे हम पूरे करें। महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प पूरा करेंगे। अन्य मंत्रियों के नाम पर आगामी बैठकों में फैसला लिया जाएगा। हम शाम तक तय करेंगे कि कल कौन शपथ लेगा। फडणवीस ने कहा कि मैंने एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उनसे अनुरोध किया कि महायुति कार्यकताओं की इच्छा है कि वह इस सरकार में हमारे साथ रहें। मुझे पूरा विश्वास है कि वह हमारे साथ रहेंगे। हम महाराष्ट्र की जनता से किए गए वादे पूरे करेंगे। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरे जैसे एक कार्यकर्ता को लगातार नेतृत्व करने का अवसर दिया। हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ निभाने वाले रामदास अठावले, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। हम महाराष्ट्र को नया विजन देंगे। इसके बाद एनसीपी नेता अजित पवार ने कहा कि हम सर्वोत्तम राज्य बनाने का प्रयास करेंगे। दिल्ली मैं किसी निजी काम से गया था।

लोकायुक्त को प्रवर्तन निदेशालय की चिट्ठी पर भड़के सिद्धारमैया

यह राजनीति से प्रेरित: सिद्धारमैया

बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को मुडा साइट आवंटन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लोकायुक्त को लिखी चिट्ठी को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने बताया कि यह चिट्ठी अदालत को प्रभावित करने के इरादे से की गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईडी के पास इस मामले की जांच करने की कोई शक्ति नहीं है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, यह राजनीति से प्ररित है। कल एकल पीठ के आदेश के खिलाफ हमारी रिट याचिका आ रही है। अगर उन्होंने (ईडी) लोकायुक्त को चिट्ठी लिखी है तो इसका क्या मतलब है? सबसे पहले तो ईडी के पास जांच करने की कोई शक्ति नहीं है। उन्होंने केवल कोर्ट को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया। पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, लोकायुक्त इस मामले की जांच कर रहे हैं और उन्हें एक रिपोर्ट जमा करनी होगी। उन्हें प्रभावित करने और भटकाने के लिए ऐसा किया गया। यह राजनीतिक रूप से प्ररित है। ईडी के अनुसार, उन्हें मुडा द्वारा सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को 14 साइटों के हस्तांतरण में कई अनियमितताओं के सबूत मिले। उन्होंने बताया कि कुल 1095 साइटें जिनका बाजार मूल्य 700 करोड़ रुपये से अधिक था, उसे अवैध रूप से पार्वती को आवंटित की गई थी। ईडी के पास जांच करने की कोई शक्ति नहीं है, इस पर जोर डालते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, राज्यपाल ने जांच के आदेश दिए। जिला न्यायालय ने लोकायुक्त को जांच के आदेश दिए और 24 दिसंबर तक रिपोर्ट देने को कहा। वे जांच कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने ईडी को चिट्ठी क्यों लिखी? उनका क्या उद्देश्य है? उन्होंने आगे कहा, इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है। वे मामले की जांच कर रहे हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट देने दीजिए। उन्होंने लोकायुक्त को पत्र क्यों लिखा? वे जानकारी साझा कर सकते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उन्हें पत्र लिखना चाहिए। इसे मीडिया में जारी करना चाहिए। क्या है मुडा मामला? साल 2020 में मुडा योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत लोगों से मैसूर के विकास के नाम पर उनकी जमीन ली गई थी, जिसके तहत 50:50 का फॉमूर्ला था, जिसके चलते लोगों की जितनी जमीन ली गई उसकी 50 फीसदी जमीन या वैकल्पिक साइट उन्हें मुआवजे के तौर पर दी जानी थी। हालांकि, साल 2023 में शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश ने शिकायतों के आने के बाद इस योजना को रद्द कर दिया था। हालांकि, आरोप लगे हैं कि इस योजना के निरस्त होने के बाद भी इसके तहत साइटों का आवंटन जारी रहा।

सिर्फ मीडिया आकर्षण पाने की है कोशिश: सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। राहुल गांधी के संभल दौरे को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है और इस सत्र में इंडी गठबंधन का बिखराव और संविधान के प्रति उनका दुराव देश की जनता को स्पष्ट दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कल राज्यसभा में विपक्षी दल द्वारा नियम 267 के तहत यानी सभी कार्य रोक कर किसी मुद्दे पर चर्चा की जाए, इसके तहत 42 नोटिस आए थे और 9 अलग अलग नोटिस आए थे, जो इंडी गठबंधन के दो दलों ने एक विषय के लिए नहीं दिया था। त्रिवेदी ने आगे कहा कि ये स्पष्ट था कि कांग्रेस पार्टी जो अपना एजेंडा लेकर चल रही थी, इंडी गठबंधन के बाकी दलों ने अपनी राह खुद तय कर ली। उन्होंने कहा कि सदन के पटल पर सहयोगी दलों को

साथ लेकर चलने की विफलता के बाद राहुल गांधी जी रस्म अदायगी के लिए उत्तर प्रदेश के संवेदनशील क्षेत्र संभल जाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस पर सपा के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर राम गोपाल यादव जी ने कहा है कि कांग्रेस औपचारिकता निभा रही है। मैं इसे ऐसे कहना चाहूंगा कि कांग्रेस औपचारिकता नहीं विवशता निभा रही है। संभल पर कांग्रेस के किसी नेता ने न कुछ बोला, न ही कुछ लिखा और आज अचानक सिर्फ मीडिया आकर्षण पाने और इंडी गठबंधन को साथ न रख पाने की छटपटाहट में ये कार्य किया है। भाजपा नेता ने कहा कि कठ्ठउक्रएलायंस से जुड़ी हर पार्टी और सदस्य देश में शांति और स्थिरता दोनों के लिए खतरा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद से आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। हत्याओं और आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि के साथ अपराध और कानून व्यवस्था की स्थिति भी तेजी से समस्याग्रस्त हो गई है।

दिल्ली सरकार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध से प्रभावित श्रमिकों को 8,000 रुपये का मुआवजा देगी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के कारण शहर में निर्माण संबंधी गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध से प्रभावित 90,000 से अधिक पंजीकृत श्रमिकों में से प्रत्येक को 8,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने का फैसला किया है। प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तहत 18 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण संबंधी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया था। अधिकारियों के

अनुसार यह निर्णय अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) आशीष चंद्र वर्मा की अध्यक्षता में दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की बैठक में लिया गया। यह कदम हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एनसीआर राज्यों के मुख्य सचिवों को दिए गए निर्देश के मद्देनजर उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि वे 5 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर बताएं कि प्रतिबंधों के कारण बिना काम के रह गए निर्माण श्रमिकों को कोई निर्वाह भत्ता दिया गया है या नहीं।

'बहुत सख्त है उत्तर प्रदेश का गुंडा एक्ट'

सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश का गुंडा और गैर सामाजिक गतिविधि रोकथाम कानून बहुत सख्त है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही। दरअसल इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मई 2023 में गुंडा एक्ट के तहत लंबित कार्यवाही रोकने की मांग वाली एक याचिका खारिज कर दी थी। इस पर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम

कोर्ट का रुख किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया है। याचिका में लगाया गया पुलिस और न्यायिक मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर बीते साल नवंबर में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा था। साथ ही शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत किसी कार्रवाई पर भी रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिए याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है और पिछली प्राथमिकी से उपजी है। याचिका में कहा गया है कि यह प्राथमिकी दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है। इसमें तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर्स एक्ट लगाना पक्षपातपूर्ण है और यह पुलिस एवं न्यायिक मशीनरी का दुरुपयोग है। कानून के प्रावधानों की संवैधानिकता पर भी सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट बुधवार को याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क देते हुए कहा कि उनके खिलाफ पहले 1986 एक्ट की धाराओं में अवैध खनन का मामला दर्ज किया गया। एक ही आरोप में दो बार मामला दर्ज किया गया। गुंडा एक्ट की आलोचना करते हुए पीठ ने कहा कि इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। पीठ ने ये भी कहा कि इस कानून के कुछ प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती वाली एक अन्य याचिका पर भी अदालत सुनवाई करेगी।

माननीय उपमुख्यमंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा दिए आवश्यक निर्देश

जन शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के साथ करें सुनिश्चित : उपमुख्यमंत्री

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। माननीय उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री केशव प्रसाद मौर्य जी की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन स्थित गांधी सभागार में विकास कार्यक्रमों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन समस्याओं के त्वरित एवं वास्तविक निस्तारण पर विशेष रूप से ध्यान दें तथा जनप्रतिनिधियों से समन्वय व संवाद स्थापित रखते हुए जन समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को शासन की मंशानुरूप आमजन तक पहुंचाये। माननीय उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीआरएस से प्राप्त जन समस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकता का विषय है। सभी समस्याओं का समयबद्ध व सन्तुष्टिपरक निस्तारण किया जाए और न्यूनतम दस प्रतिशत निस्तारित समस्याओं की जमीनी हकीकत जांची जाये। जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाई की जाएगी। माननीय उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन नियमित अंतराल पर विभिन्न राजस्व प्रकरणों में पत्थर नसब की कार्यवाही की समीक्षा करें। यदि कोई अराजक तत्व पत्थर नसब के बाद पत्थर हटाता है तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। माननीय उपमुख्यमंत्री ने चकमार्गो से अवैध कब्जे हटाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अतिक्रमणमुक्त चकमार्गों को मनरेगा से आवागमन योग्य बनाया जाएगा। माननीय उपमुख्यमंत्री ने आज दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों को बधाई एवं शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जनपद में 235 दिव्यांगों को आवास प्रदान किये जा चुके हैं। जनपद में 18,519 दिव्यांग पेंशन के लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध हैं। दिव्यांगजनों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। माननीय उपमुख्यमंत्री ने हर घर नल जल योजना की गहन समीक्षा की। बताया गया कि जनपद में 350 से अधिक ग्राम पंचायतों में नल से जल की आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है। जिस पर माननीय उपमुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर में नल से जल की आपूर्ति हो। साथ ही उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कों को अनिवार्य रूप से पूर्व की स्थिति में लाया जाए। धान खरीद की समीक्षा में बताया गया कि अब तक जनपद में 10,804 मीट्रिक टन खरीद की जा चुकी है। खरीद के लिए 114 धान क्रय केंद्र बनाए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि धान खरीद में बिचौलियों को हतोत्साहित करते हुए उन्हें संपूर्ण क्रय प्रक्रिया से दूर रखा जाए। विद्युत विभाग की समीक्षा में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2023 के पश्चात किसान हित मे नलकूप के बिजली बिल राज्य सरकार ने पूर्णतया माफ कर दिया है। अधीक्षण अभियंता विद्युत यह सुनिश्चित करें कि बिजली बिल समय से उपभोक्ताओं को मिले तथा ओवरबिलिंग किसी भी दशा में न हो। उन्होंने जनपद में खाद की उपलब्धता, किसान सम्मान निधि आयुष्मान कार्ड, निराश्रित गो-आश्रय स्थल की भी समीक्षा की।जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने माननीय उपमुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। समीक्षा बैठक में ग्राम्य विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, पूर्व सांसद डॉ रमापति राम त्रिपाठी, पूर्व सांसद सलेमपुर रविंदर कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीश चंद तिवारी, सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, रुद्रपुर विधायक जयप्रकाश निषाद, बरहज विधायक दीपक मिश्रा शाका, क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा सहजानंद राय, जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा, सीडीओ प्रत्यूष पांडेय, सीएमओ डॉ राजेश झा सहित विभिन्न जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

डॉ राजेंद्र प्रसाद व्यक्ति नहीं विचार थे – अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। भारत रत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद व्यक्ति नहीं विचार थे, उन्होंने अपने जीवन पर्यंत अपने व्यक्तित्व के माध्यम से इंसान को इंसान की तरह से जीवन यापन करने का तौर तरीका बताया। न्यायाधीश ने डॉ राजेंद्र प्रसाद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहां की डॉ राजेंद्र प्रसाद जीवन प्रयंत गरीबों, दलितों तथाअपना जीवन व्यतीत किया। उक्त बातें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार तिवारी ने संत विनोवा स्नातक

उत्तर महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित डॉ राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अर्जुन मिश्रा ने भारत रत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के जीवन का बृतांत छात्रों को सुनाया तथा उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। विधि संकाय के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर के.के शाही ने भारत रत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को ईमानदारी, सादगी तथा उच्च व्यक्तित्व का धनी बताया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मारकंडे मिश्र प्रवक्ता ने डॉ राजेंद्र प्रसाद को एक आदर्श विद्यार्थी बताया और विद्यार्थियों को उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। श्री मार्कंडेय मिश्र ने बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ राजेंद्र प्रसाद को भारत का गर्व बताया उन्होंने कहा कि यदि हम डॉ राजेंद्र प्रसाद के आदर्शों पर चलेंगे तो जल्द ही पुनः एक बार भारत विश्व गुरु बन जायेगा तथा विश्व के पटल अपनी छबि का परचम लाहरायेंगे। कार्यक्रम का शुरुआत भारत रत्न डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण के द्वारा किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अर्जुन मिश्रा ने किया तथा संचालन श्री मारकंडे मिश्रा प्रवक्ता ने किया। इस अवसर पर विधि संकाय के समस्त शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे आयोजन बिधि संकाय के अध्यक्ष डाक्टर के के शाही ने किया।

जो प्राप्त है, वह पर्याप्त है – अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया के तत्वाधान

में डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर संत विनोबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ईमानदारि, निष्ठावान और उच्च विचारों वाले महान व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। राजनीति के कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए उन्होंने देश में शिक्षा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दिया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि एक उत्कृष्ट साहित्यकार भी थे। उनके लेख भारत उदय और भारत मित्र अत्यंत लोकप्रिय हुए। मनोज कुमार तिवारी ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि ष्जो प्राप्त है, वह पर्याप्त है० की भावना को आत्मसात कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य अर्जुन मिश्र, विधि संकाय के अध्यक्ष के.के. शाही, प्रवक्ता मारकंडेय मिश्र के साथ महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राजकीय बीज भंडार सोहावल पर हुआ डी कंपोजर का वितरण

सोहावल अयोध्या।राजकीय बीज भंडार सोहावल पर कृषि

विभाग द्वारा चलाइ जा रही योजना फसल अवशेष प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के किसानों को डी कंपोजर का निशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर राजकीय बीज भंडार के प्रभारी पवन कुमार मौर्य ने किसानों को विस्तार पूर्वक डी कंपोजर के प्रयोग करने की विधि और इसके लाभ की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई ।उन्होंने कहा कि डी कंपोजर के इस्तेमाल से खेतों की उर्वरक शक्ति बढ़ती है और वातावरण भी प्रदूषण मुक्त होता है इसके प्रयोग से फसलों के अवशेष खेत में सड़कर कंपोस्ट खाद का काम करते हैं जिससे रासायनिक उर्वरक की आवश्यकता बहुत ही कम हो जाती है। उन्होंने किसानों को फर्म रजिस्ट्री के बारे में भी जानकारी और बताया कि किसानों को सरकारी योजनाओ आदि का लाभ आने वाले समय में फॉर्म रजिस्ट्री कराने वाले किसान को ही प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर अमर नाथ, दलीप सिंह, कृष्ण कुमार यादव, रोहित दुबे, सुरेश कुमार, राम बहादुर यादव, फरीद अहमद, प्रमोद कुमार, राम सुरेश, जगत पाल, सुरजीत सिंह आदि कृषक मौजूद रहे।

महंत गणेश दास ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को उनके आवास पर सौंपा ज्ञापन

तुफैल अहमद अयोध्या

शिवालय परिवार के महंत गणेश दास ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात

कर तीन सूत्रीय मांग पत्र सौपा,मांग पत्र मे शिवालय परिवार द्वारा अयोध्या से काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ जलाभिषेक यात्रा करने वालो को अनुदान, उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी का गठन,सिंधु दर्शन यात्रा के यात्रियों को अनुदान की धनराशि को बढ़ाना,अकादमी गठन पर फौरी रूप से श्री पाठक ने संबंधित अधिकारी से मोबाइल पर वार्ता की,इस मौके पर भक्त प्रहलाद सेवा समिति के महासचिव ओमप्रकाश ओमी मौजूद रहे।

छात्रों ने बनाया लजीज व्यंजन,स्वाद के बखान में उंगली चाटते हुए दिखा विद्यालय परिवार का समूह

उमानाथ यादव

रायबरेली/जिले के महाराजगंज विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम सलेथू में स्थित न्यू स्टैंडर्ड कॉलेज आफ हायर एजुकेशन सलेथू रायबरेली के छात्रों ने जहां एक और पढ़ाई के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं वहीं आज छात्रों ने लजीज व्यंजन बनाकर पाककला में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। छात्रों को अपनी पाक विद्या का प्रदर्शन करने के लिए कुल 11 समूह में बांटा गया। जिसमें देसी तड़का ने चाय पोहा खुरमा ,स्वादिष्ट संग्रह ने फ्राई फरे रसगुल्ला, रसोई रेंजर्स ने ब्रेड रोल खीर,खाना खजाना ने अप्पे चाऊमीन काफी,चटोरी गली ने मालपुआ अप्पे छोला चाट, देसी चटूरे चोखा बाटी रसमलाई, हंगर स्पाट ने लौकी हलवा स्प्रिंग रोल,कटोरी चाट ने कटोरी चाट कॉफी,शुद्ध देसी तड़का ने पूडी पनीर सब्जी काला जाम, कलाम ने खीर साबूदाना की कचौड़ी, दस्तर खान ने पास्ता शाही टोस्ट जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों को बनाया। छात्रों के द्वारा बनाई गई रसोई का स्वाद लेकर सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों के साथ छात्र-छात्राएं भाव विभोर दिखे। पाक कला का निरीक्षण प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार एवं डी.एल.एड.प्राचार्य धीरेंद्र कुमार सिंह के द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार ने छात्रों के द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की सराहना करते हुए कहा कि समूह के साथ मिलकर भोजन बनाना एक अच्छी आदत एवं अच्छे संस्कारों को जन्म देती है। व्यंजनों का स्वाद लेने वाले सभी के चेहरों में प्रसन्नता की चमक देखी गई जो स्वयं गुणवत्ता का प्रमाण है। पाककला प्रतियोगिता में कुल 66 छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ,कोमल वर्मा, खुशबू सिंह, जे सी श्रीवास्तव ,प्रवीण शर्मा, प्रमोद कुमार ,अनुभव त्रिपाठी , प्रेम शंकर जायसवाल, सौरभ कुमार,डॉ. जे पी सिंह, रेखा मिश्रा , शफ़क खातून आदि प्राध्यापक उपस्थित रहकर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

अपने मेहनत और लगन के बल पर हासिल की सफलता,बने स्वाद के बादशाह

नालासोपारा

आदमी अगर अपने पसंद को अपना काम और अपने काम को

अपना जुनून बना ले तो सफलता उसे मिलना तय हो जाती है ऐसी ही कुछ कहानी है वसई विरारके कैटरिंग के दुनिया के उभरते हुए चेहरे सूरजपाल रामनिहोर यादव की जो की अपने पारिवारिक व्यवसाय से अलग अपनी पसंद को तरहीज दिया और आज स्वाद के बेताज बादशाह बन चुके है,सूरजपाल यादव वर्तमान निवासी नालासोपारा संतोष भवन गोराईपाड़ा है मूल निवास उत्तर प्रदेश के प्रयागराज , बुढ़िया का इनारा है,खाना बनाने की कला इन्होंने मुरारा बादशाह पुर में सीखी इनके दो भाई और भी है वो भी इसी क्षेत्र में कार्यरत है,सूरजपाल यादव के बेटे भी बीकॉम ग्रेजुएट होने के साथ शेफ का कोर्स भी किया है,पढ़ाई में प्रवीण होने के साथ साथ आधुनिक पाक कला में भी प्रवीण होने के कारण बहुत ही बेहतर और स्वादिष्ट व्यंजन बनाने में महारत हासिल कर ली,आधुनिक पकवान से लेकर देशी व्यंजन तक बनाने में महारत हासिल कर ली,एक बार जो भी स्वाद ले लेता है बार बार यही खाना चाहता है,अन्य व्यवसायों में सूरजपाल एक शादी विवाह या अन्य आयोजनों में बुक किया जाने वाला लॉन भी चलाते है जो कि शगुन बार बिलालपाड़ा के बगल में,शादी विवाह और अन्य किसी भी बड़े से बड़े छोटे से छोटे आयोजन में कैटरिंग की बड़ी अच्छी सुविधा उपलब्ध होने के कारण उसपे ही पूरी तरह केंद्रित है,किसी भी आयोजन में उनकी सेवा लेने के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर सकते है 9665740243,9665317942।

जगदीशपुर के गौरव डॉ0 प्रदीप तिवारी ने स्वास्थ्य सेवाओं में रचा इतिहास

ब्यूरो प्रमुख असद हुसैन

जगदीशपुर। जगदीशपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. प्रदीप तिवारी ने अपनी कार्यकुशलता व नेतृत्व क्षमता

ने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती दी है जिससे केंद्र का नाम देश व प्रदेश मे चमकरहा है उनका मानना है कि स्वास्थ्य सेवा सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज सेवा का सबसे सुंदर रूप है। उनकी कार्यशैली व नेतृत्व की खास बात यह है कि वह सीएचसी के सभी कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए नियमित रूप से बैठक कर स्टाफ की समस्याओं से रूबरू होकर उस का त्वरित निदान करते हैं यहां के स्टाफ का कहना है कि पहली बार किसी अधीक्षक ने हमारी जरूरतों और सुझावों को इतनी गंभीरता से लिया है। डॉ0 प्रदीप तिवारी का कुशल नेतृत्व हमारे कार्यों के प्रति और भी प्रेरित करता है । इसके अलावा, उनका यह प्रयास भी रहता है कि किसी भी व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाओं की कमी महसूस न हो और कार्यकुशलता से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए केवल सरकार की नीतियों की आवश्यकता नहीं होती बल्कि इन नीतियों को सही तरीके से लागू करने के लिए ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत होती है किसी कार्य को पूरी निष्ठा ईमानदारी और समर्पण के साथ किया जाए तो उसके परिणाम हमेशा सकारात्मक ही आते हैं।

अयोध्या में हॉट एयर बैलून का हुआ शुभारंभ

तुफ़ैल अहमद अयोध्या

अयोध्या में एडवेन्चर स्पोर्ट्स के माध्यम से पर्यटक गतिविधियां

बढ़ाने एवं युवा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण एवं इको टूरिज्म विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में नया घाट हैलिपैड पर हॉट एयर बैलून का शुभारंभ मा० विधायक सदर श्री वेद प्रकाश गुप्ता, मण्डलायुक्त अयोध्या श्री गौरव दयाल एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अश्विनी कुमार पाण्डेय, द्वारा किया गया। उक्त हॉट एयर बैलून का संचालन पुष्पक एडवेंचर्स द्वारा किया जा रहा है। यह अनूठी पहल अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री बने अंकित शुक्ला का हुआ स्वागत

अयोध्या। छात्र राजनीति में सक्रिय रहने वाले अंकित शुक्ला को दोबारा एबीवीपी ने राष्ट्रीय मंत्री

बनाया है। बुधवार को माधव सर्वोदय इंटर कॉलेज रानी बाजार अयोध्या पहुंचने पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने अंकित शुक्ला का जोरदार स्वागत किया। गोरखपुर में संपन्न हुए एबीवीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व मिलने के बाद पहली बार अंकित शुक्ला रायबरेली हाईवे होते हुए अपने आवास मिल्कीपुर जा रहे । माधव सर्वोदय इंटर कालेज पर प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार पाठक व जिला सेवा प्रमुख पुष्कर दत्त तिवारी ने कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

अंग्रेजों के एजेंडे पर काम कर रही है भाजपा सरकार।। श्यामलाल पाल

सोहावल अयोध्या।अंग्रेजों के एजेंडे पर काम कर रही है भाजपा सरकार उक्त उदगार समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने सोहावल स्थित टोल टैक्स पर बीकापुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी हाजी फिरोज खान गब्बर के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में व्यक्त किया। ज्ञात हो कि सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आज एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने अयोध्या आ रहे थे, सोहावल स्थित टोल टैक्स पर हाजी फिरोज खान गब्बर के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में श्यामलाल पाल ने कहा कि जिस तरह अंग्रेजों ने बाटो और राज करो की निति अपनाई थी, भाजपा भी उसी नीति को अपनाकर पूरे देश में नफरत का माहौल पैदा कर रही है।श्यामलाल पाल ने कहा कि जनता इनकी सच्चाई जान चुकी है 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी, अल्प सूचना पर भारी संख्या में

इकट्ठा हुए सपा कार्यकर्ताओं ने हाजी फिरोज खान गब्बर के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल का गगनचुंबी नारों एवं पुष्प व माला भेंट कर स्वागत किया।लंबे समय से समाजवादी पार्टी में जुड़े अरकुना बूथ प्रभारी प्रेम प्रजापति को प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने अंगवस्त्र एवं माला पहना कर सम्मानित किया।। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष एवं बीकापुर विधानसभा प्रभारी एजाज़ अहमद, प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार पटेल, विधानसभा अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश यादव, जगजीवन पटेल, अशोक यादव, अमृत लाल वर्मा, चंद्रप्रकाश यादव, राम चंदर रावत, मोहम्मद शोएब खान, शरद पासवान, दीपक यादव, संतोष शर्मा, समासद अब्बार खान, दिनेश चौधरी, सलीम खान, दिलीप वर्मा, एशात खान, अशोक चौधरी, जावेद खान, दयानंद पासी, आमिर खान, दयाशंकर भारती, नफीस खान, निज़ाम खान, दानू यादव, मनोज यादव, प्रदीप यादव फ़ौजी, अयान खान, दिलशान खान, मुकेश रावत प्रधान लखोरी, मुन्ना खान, आमिल खान, बुद्धि राम यादव, रामानंद निषाद, अनुभव रावत सहित बड़ी संख्या में सपा नेता, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।।

बदलापुर महोत्सव को लेकर विकासखंड महराजगंज के सभागार में विधायक ने की बैठक

महराजगंज जौनपुर। स्थानीय विकासखंड सभागार में विधायक रमेश चंद मिश्रा ने बुधवार को ब्लॉक के सभी ग्राम प्रधानों क्षेत्र पंचायत सदस्यों व संबंधित अधिकारियों के साथ 7 और 8 दिसंबर को होने वाले बदलापुर महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी से आग्रह किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि साथ और 8 दिसंबर को बदलापुर रेलवे क्रॉसिंग पर बंद रहे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य बंद रहेगा जिससे 48 घंटे में लोगों को आवागमन में सुगमता होगी।महोत्सव में जरूरत मंद लोगों को मिलेगी सुविधा दिब्यांग प्रमाण पत्र, दिब्यांग आदि सरकार द्वारा चली जाएगी चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं का स्टॉल के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। महिला समूह के द्वारा समूह की योजनाओं का स्टाल लगेगा।साथ ही क्षेत्रीय कलाकारों को प्रतिभा प्रस्तुत करने का मौका मिलेगा।कृषि उपकरणों का भी स्टाल लगाया जाएगा।उद्यमी किसान उत्कृष्ट शिक्षक ग्रामप्रधान,व्यापारी,सफाई कर्मी सहित समाजसेवी को सम्मानित किया जाएगा।साथ ही उन्होंने कहा एक वर्ष के अंदर जुलाई तक फ्लाई ओवर कार्य पूर्ण कराकर इतिहास रचेंगे।इस मौके पर उपस्थित ब्लॉक प्रमुख पति भाजपा नेता विनय कुमार सिंह ने सभी ग्राम प्रधान व बीडीसी से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आग्रह किया।इस मौके पर एडीशनल बीडीओ हरीश कौशिक,महिला समूह की मंजू बाथम,अम्बुज तिवारी,ब्लॉक महामंत्री सिद्दार्थ सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष अवधेश उपाध्याय सहित सफाई कर्मी, ग्राम पंचायत सचिव व सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सोहावल के सरकारी गोदामों से गायब है बीज व उर्वरक... आख़िर किसान कैसें करें बुआई

लालजी तिवारी

सोहावल अयोध्या ।गेहूं बुआई के मुख्य समय में राजकीय बीज विक्रय केंद्र पर बुआई के लिये बीज का एक दाना न होना, तहसील क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के लिये चिंता का विषय बन गया है। मामला सोहावल स्थित राजकीय बीज विक्रय केंद्र का है। जहां पर गेहूं का बीज लेने जाने वाले किसानों को देने से वहां के स्टाफ़ ने हाथ खड़ा कर दिया है। उक्त बीज विक्रय केंद्र का यह हाल तब है जब किसानों को बुआई के लिये समय रहते बीज की सख़्त जरूरत है। भारतीय किसान यूनियन के नेता व अधिवक्ता अनूप पांडेय 'नकुल' ने बताया कि सोहावल के सरकारी बीज गोदाम पर पिछले एक सप्ताह से न तो गेहूँ का बीज उपलब्ध है और न ही क्षेत्र की सहकारी समितियों पर एक भी दाना डीएपी या किसी भी प्रकार का उर्वरक उपलब्ध न होने से किसानों को इस मुख्य बुआई के सीजन में जिला मुख्यालय तक दौड़ लगाना पड़ता है और वहां भी सरकारी रेट पर बीज या उर्वरक न मिलने से थक हार के किसानों को महंगे दामों पर मिलावटी उर्वरक व बीज निजी दुकानदारों से बुआई करनी पड़ रही है। अधिवक्ता नकुल पांडेय ने बताया कि मिल्कीपुर उपचुनाव के नाते अक्सर जिले के व उपचुनाव के प्रभारी कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही महीने में 15 15 दिन जनपद में मौजूद रहते हैं, लेकिन किसानों की इन समस्याओं से लगता है वो अनभिज्ञ हैं। पांडेय ने शासनदृप्रशासन से शीघ्र ही बीज व उर्वरक उपलब्ध कराने की माँग की है। इस बारे में जिला कृषि अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक को गत वर्ष 500 कुंतल गेहूं का बीज आपूर्ति किया गया था। जबकि इस बार साढ़े सात सौ कुंतल बीज सोहावल के लिये दिया गया थे।

किसानों की सुविधा के लिए सोहावल में ऑफलाइन ही धान खरीद चालू

सोहावल अयोध्या सोहावल मंडी स्थल पर मार्केटिंग विभाग का नवनियुक्त धान खरीद केंद्र पर 28 फरवरी तक 15000 कुंतल धन खरीदना है लेकिन अभी तक केवल 272 कुंतल धन ही खरीदा जा सका है, जिले में अन्य जगह 1 अक्टूबर से धान खरीद चालू है लेकिन यहां पर पहले से स्थापित धान खरीद केंद्र विभिन्न प्रकार की अड़चनों के चलते शहर की नवीन मंडी पर स्थानांतरित हो गया था जिसे काफी लड़ाई के बाद सोहावल वापस लाया जा सका इसलिए यहां पर धान खरीद केंद्र की शुरुआत 5 नवंबर से शुरुआत हुई है, लखनऊ से स्थानांतरित होकर आए यहां के धान खरीद प्रभारी मनोज वर्मा ने बताया कि अभी तक टोटल 681 बोरी धान खरीदा जा चुका है उन्होंने बताया कि यहां प्रधान खरीद के लिए ऑनलाइन आवेदन की जरूरत नहीं है दो दिन पहले हमको सूचित कर दीजिए और 2 दिन बाद अपना धन लेकर तवलाने पर के 24 घंटे के अंदर खाते में पैसा भेज दिया जाता है

कुंडौली गाँव में होगा परशुराम मूर्ति स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन

सोहावल अयोध्या ।क्षेत्र के कुड़ौली गाँव में आगामी दस दिसंबर को भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना के द्वितीय वर्षगाँठ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसकी अध्यक्षता इसी गाँव निवासी ब्राह्मण नेता करुणाकर पांडेय 'बब्बू' करेंगे। ज्ञातव्य हो कि उक्त आयोजन के दौरान ग़रीब व बेसहारा लोगों को साइकिल, कंबल व साड़ी वितरित की जायेंगी। कार्यक्रम के आयोजक करुणाकर पांडेय ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ के मोहनलालगंज से विधायक अमरेश कुमार, बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान, पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी 'खब्बू', डॉक्टर रिचा राजपूत सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग, महापौर अयोध्या गिरीशपति त्रिपाठी, एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला अध्यक्ष भाजपा संजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजपा कृष्ण कुमार पांडेय 'खुन्नू', पूर्व महापौर अयोध्या ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व महानगर अध्यक्ष भाजपा अभिषेक मिश्रा, भाजपा नेता डिप्पुल पांडेय, सुड्डू मिश्रा आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहेंगे। ज्ञातव्य हो कि उक्त कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक चलेगा।

स्वच्छकार पदों पर संविदा आधारित नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। सिविल जज (सी.डी.) विवेक कुमार सिंह–प्प ने बताया कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार जनपद न्यायालय में अंशकालिक स्वच्छकार के दो पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। इन पदों पर मानदेय नवीन शासनादेश के तहत 6000 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 8,840 रुपए प्रतिमाह निर्धारित किया गया है। चयन समिति की रिपोर्ट दिनांक 26 नवंबर 2024 के अनुसार, स्वच्छकार पद हेतु पूर्व में जारी विज्ञप्ति संख्या–01, दिनांक 01 दिसंबर 2022, को निरस्त कर दिया गया है। अब इन पदों पर नियुक्ति के लिए नवीन विज्ञप्ति जारी की गई है। जो इच्छुक और योग्य उम्मीदवार हैं, वे आवेदन कर सकते हैं। आवेदनकर्ता की आयु 01 जुलाई 2024 को न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए। अभ्यर्थी के लिए कक्षा 6 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि किसी व्यक्ति ने पूर्व में किसी विभाग या कार्यालय में स्वच्छकार के रूप में कार्य किया है, तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी। इसके समर्थन में अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आवेदन पत्र के साथ अभ्यर्थी को अपने शैक्षणिक, जाति, आवासीय और अनुभव प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतियां संलग्न करनी होंगी। इसके अतिरिक्त, यह शपथ–पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई दाण्डिक वाद लंबित नहीं है और न ही उन्हें किसी न्यायालय द्वारा कभी दण्डित किया गया है। आवेदन पत्र सिविल जज, जनपद न्यायालय के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से या पंजीकृत डाक के माध्यम से दिनांक 17 दिसंबर 2024, सायं 4रू30 बजे तक जमा किया जा सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। लिखित अथवा मौखिक परीक्षा हेतु बुलाए गए अभ्यर्थियों को यात्रा भत्ता या अन्य कोई आर्थिक सहायता प्रदान नहीं की जाएगी। यह नियुक्ति पूर्णकालिक नहीं होगी, बल्कि संविदा के आधार पर की जाएगी।

अध्यक्ष के आदेश पर 2021 में ही निरस्त हो चुकी थी नोटिस

वाराणसी। यूपी कॉलेज की संपत्ति को लेकर वक्फ बोर्ड ने एक पत्र जारी किया है। इसके अनुसार, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यूपी कॉलेज प्रशासन को जारी नोटिस वर्ष 2021 में ही निरस्त किया जा चुका है। बोर्ड के लोगों ने अफवाहों पर ध्यान न देने की भी बात कही है। कुछ दिन पूर्व उदय प्रताप कॉलेज की संपत्ति पर वक्क बोर्ड न दावा किया था, जिसके विरोध में यूपी कॉलेज के छात्रों ने विरोध दर्ज कराते हुए हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। वहीं, इस मामले को लेकर अब महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्रों ने भी अपनी नाराजगी जताई। छात्रों ने वक्फ बोर्ड का पुतला दहन किया है। वहीं, यूपी कॉलेज में मौजूद मजार पर वक्फ बोर्ड द्वारा अपना दावा छोड़ने के बाद प्रिंसिपल डॉ. डीके सिंह ने सभी छात्रों से सौहार्द बरतने की अपील की है। छात्र नेता शिवम तिवारी ने कहा कि हम यूपी कॉलेज के छात्रों के साथ खड़े हैं। वक्क बोर्ड को सरकार जल्द से जल्द बैन कर शांति स्थापित करे। छात्रसंघ अध्यक्ष प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने कहा कि वक्क बोर्ड का गठन 1954 में हुआ है और यूपी कॉलेज का स्थापना 1909 में हुई थी। इस पर ध्यान दिया जाए तो यूपी कॉलेज की जमीन बोर्ड की कैसे हो सकती है।

पीछे हटा वक्फ बोर्ड ज्ञानवापी की देखरेख करने वाली समिति अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन ने स्थिति साफ की।?उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यूपी कॉलेज प्रशासन को जारी नोटिस वर्ष 2021 में ही निरस्त किया जा चुका है। इसलिए कोई भी किसी भी के उकसावे में न आए और अफवाहों पर ध्यान न देकर शांतिपूर्ण तरीके से रहें। इस संबंध में उन्होंने यूपी कॉलेज स्थित मस्जिद के संबंध में यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड से पत्राचार कर वास्तविक स्थिति की जानकारी मांगी। वक्फ बोर्ड के विधि अधिकारी अब्दुल मोबीन खां द्वारा उन्हें लिखित में बताया गया कि छह दिसंबर 2018 को तत्कालीन सहायक सचिव आले अतीक ने नोटिस जारी किया था। मगर, 18 जनवरी 2021 को वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के आदेश पर नोटिस निरस्त कर दिया गया था। उस नोटिस के संबंध में कोई भी कार्यवाही अब प्रचलन में नहीं है।

मोटर दुर्घटना के मामलों को निस्तारण हेतु करे चिन्हित – सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत के भव्य सफलता हेतु जनपद न्यायाधीश देवरिया देवेंद्र सिंह के निर्देशन में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलता हेतु मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण देवरिया में लम्बित मामलों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण हेतु पीठासीन अधिकारी मनोज कुमार राय के अध्यक्षता में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज कुमार तिवारी द्वारा प्री ट्रायल बैठक आहुत की गयी। बैठक में अधिक से अधिक मामलों में वादों को चिन्हाकन तथा निस्तारण हेतु वार्ता किया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया मनोज कुमार तिवारी द्वारा जनपद के समस्त वादकारियों से अपील की गयी कि वे इस लोक अदालत में अन्य वादों के अलावा विशेषतः अपराधिक शमनीय वाद, 138 धारा पराक्रम लिखित अधिनियम, बैंक वसूली वाद, विद्युत एवं जल, पारिवारिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, सर्विस में वेतन एवं भत्ते सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद अन्य सिविल वादों किराया सुखाधिकार व्यायादेश विशिष्ट अनुतोष वाद, आदि के लम्बित मामले एवं प्री.लिटिगेशन विवादों का भी निस्तारण पक्षकारों के आपसी सुलह समझौते के आधार पर करा कर इस लोक अदालत का लाभ उठावें।

सिगरा स्टेडियम का संचालन करेंगे साई और खेल विभाग

वाराणसी। भारतीय खेल प्राधिकरण और यूपी खेल विभाग के बीच एमओयू को लेकर बातचीत हो गई है। इस एमओयू से खिलाड़ियों को भी भरपूर फायदा मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा से युक्त स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय कोच खिलाड़ियों को ट्रेंड करेंगे। वाराणसी के सिगरा के डॉ. संपूणानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में संचालन को लेकर जल्द ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और यूपी खेल विभाग के बीच एमओयू होगा। साई के अधिकारियों ने प्रस्ताव बनाकर खेल विभाग को भेज दिया है। जल्द ही सहमति पत्र पर हस्ताक्षर होंगे। अधिकारियों के मुताबिक, तैराकी, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस और आउटडोर खेलों का संचालन जिला खेल और विकास प्रोत्साहन विकास समिति करेगी। खेल विभाग समिति को हर साल ढाई करोड़ देगा। जबकि नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) और हॉस्टल का संचालन साई करेगा। स्टेडियम 66,782 स्कवेयर मीटर एरिया में 320 करोड़ रुपये की लागत से दो फेज में बना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा से युक्त स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय कोच खिलाड़ियों को ट्रेंड करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिगरा स्टेडियम की नवनिर्मित खेल सुविधाओं का लोकार्पण कर दिया है। 2022 में स्टेडियम का जीर्णोद्धार शुरू हुआ था। मार्च 2023 में प्रधानमंत्री ने 120 करोड़ से तैयार फर्स्ट फेज का उद्घाटन किया तो उम्मीद थी कि अब खिलाड़ियों को राहत मिलेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं और उद्घाटन के बाद भी स्टेडियम एक साल तक बंद रहा। 20 अक्तूबर 2024 को पीएम मोदी ने दो सौ करोड़ रुपये से निर्मित दूसरे और तीसरे फेज का उद्घाटन किया। इसका निर्माण स्मार्ट सिटी ने करवाया है। एथलेटिक ट्रैक का निर्माण पूरा होने के साथ उपकरण इंस्टॉल कर दिए गए हैं। एनसीओई इंडोर के चार खेलों का देगा प्रशिक्षण नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सिगरा स्टेडियम में चार खेलों का प्रशिक्षण देगा। इसमें कुश्ती, निशानेबाजी, मुक्केबाजी और तलवारबाजी शामिल है। स्मार्ट सिटी ने उपकरणों को इंस्टॉल कर दिया है। संचालन की प्रक्रिया प्रक्रिया पूरी करने के बाद खेलों का आयोजन शुरू होगा। आउटडोर में छह खेलों का प्रशिक्षण सिगरा स्टेडियम के आउटडोर में प्रैक्टिस क्रिकेट पिच, फुटबॉल मैदान के अलावा वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस और बैडमिंटन के एक-एक कोर्ट स्मार्ट सिटी ने बनाए हैं। बाहर टहलने का ट्रैक बनाया गया है। बोले अधिकारी सिगरा स्टेडियम के संचालन के लिए जल्द ही भारतीय खेल प्राधिकरण और खेल विभाग में एमओयू हो जाएगा। मॉर्निंग वॉकर्स और खिलाड़ियों के कार्ड दिसंबर से बनेंगे। फरवरी या मार्च में खेलों का कैलेंडर जारी कर दिया जाएगा।

नेसले इंडिया और नासी कंपनी के तरफ से फूड वेंड्रो की ट्रेनिंग का आज होगा शुभारंभ

आजम खान

अयोध्या। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक खाद्य आयुक्त मानिकचंद सिंह ने बताया कि नेसले इंडिया और नासी का यह दो संस्था का कार्यक्रम हैं।जो फूड वेंड्रो की ट्रेनिंग के लिए संचालित किया जा रहा है।टोटल जनपद में 350 मेंबरों को फास्टटैग की ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे की हाइजीन का प्रॉपर ध्यान रखा जाए इसीलिए ये संस्थाएं आई हुई है और और कल से उनका तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू होगा। नेस्ले इंडिया फंडिंग कर रही है और नासी ट्रेनिंग करा रही है । नेस्ले इंडिया के द्वारा छोटे स्ट्रीट फूड वेंडर का प्रोग्राम कराया जाएगा। जिसमे उनको बेसिक हाइजीन की ट्रेनिंग दी जाएगी की क्या क्या उनको ध्यान रखना है फूड लगाते समय और नेस्ले इंडिया की तरफ से सभी को एप्रेन, हेड गेयर और किट भी दी जाएगी। कार्यक्र कल सुबह 10बजे से शुरु होकर शाम 5 बजे तक चलेगा। रोजाना 50 लोगो का लेक्चर संगठित कराया गया। इसकी ओपनिंग एडिम सिटी महोदय के द्वारा व समापन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा।

डीएम ने विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने बुधवार को न्यू पीएचसी सोमनाथ में आयोजित विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम के बूथ का उद्घाटन कर इस विशेष अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में एक साथ इस अभियान का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ जिला कार्यक्रम अधिकारी ने भी बच्चों को विटामिन ए का घोल पिलाया, जिससे इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण का विशेष ध्यान रखा जाए। यह अभियान स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग के सहयोग से 3 जनवरी तक चलाया जा रहा है, जिसमें नौ माह से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण के साथ विटामिन ए की खुराक दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि माताओं को बाल्य रोगों से बचाव के लिए स्तनपान और ऊपरी आहार के महत्व के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि बच्चों को कुपोषण से बचाया जा सके। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजेश झा ने कहा कि बाल शविटामिन ए संपूर्णश कार्यक्रम में नियमित टीकाकरण सत्र और वीएचएनडी सत्र में 4 लाख 5 हजार बच्चों को विटामिन–ए की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। इसके लिए प्रत्येक बुधवार और शनिवार को 427 सत्र लगाए जाएंगे। 427 एएनएम के माध्यम से टीकाकरण सत्रों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विटामिन–ए बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। बताया कि नौ माह से 12 माह और 16 माह से 24 माह के बच्चों को नियमित टीकाकरण सत्र में खसरा के प्रथम और दूसरे टीके के साथ विटामिन–ए का घोल पिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विटामिन–ए की खुराक बच्चों को पिलाने से उनकी इम्युनिटी बढ़ेगी। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एसके सिन्हा, एसीएमओ डॉ. अजय शाही, अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. आरपी यादव, डीपीएम पूनम, एमओआईसी डॉ. गरिमा, डब्ल्यूएचओ परामर्शदाता डॉ. श्रेठा, यूनिसेफ के डीएमसी अरशद, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल सहित आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पशुपालन विभाग में तैनात प्रधान सहायक गौरव वर्मा प्रदेश स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ब्यूरो चीफ फहीम सिद्दीकी

बाराबंकी। जनपद में सरकारी विभाग में तैनात कार्मिक पशुपालन विभाग बाराबंकी में तैनात प्रधान सहायक गौरव वर्मा प्रदेश स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे प्रदेश स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु 09 से 16 दिसम्बर, 2024 तक तिलक मैदान, वारको साउथ, गोवा तथा डीएसवाईए फुटवाल ग्राउण्ड, गोवा में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज फुटबाल पुरुष प्रतियोगिता में भाग लेने वाली उ०प्र० सिविल सर्विसेज फुटबाल टीम में 22 खिलाडियों + 01 टीम मैनेजर + 01 टीम प्रशिक्षक सहित कुल 24 सदस्यों के भाग लेने की अनुमति केन्द्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की गई है। टीम का चयन क्रीड़ाधिकारी, मऊ द्वारा किया गया है। जिसमें 22 सदस्य उत्तर प्रदेश सिविल सर्विसेज फुटबॉल पुरुष टीम भाग लेंगे निदेशक खेल उप मुख्य कल्याण अधिकारी के पत्र अनुसार 22 खिलाड़ियों को चयनित करते हुए 7 आरक्षित खिलाड़ियों की सूची निर्गत की गई है जिसमें चयनित खिलाड़ियों में विकास भवन के कर्मचारी परिषद के महामंत्री गौरव वर्मा एवं जिला पंचायत विभाग में तैनात सुनील कुमार कनौजिया को यह मौका मिला है।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में लोकतंत्र का मजाक

महाराष्ट्र-झारखंड चुनावों में मोदी से ज्यादा अदानी का स्टेकहरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस उत्साहित महाराष्ट्र चुनावों के नतीजों में बड़ी गड़बड़ी की आशंकाओं और सवालों के बीच 3 दिसम्बर को चुनाव आयोग के सामने एक सुनहरा मौका आया था कि वह अपनी साख को सुधार ले। यह मौका दिया था कि मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के मरकरवाड़ी गांव के लोगों ने। लेकिन चुनाव आयोग ने यह अवसर अपने हाथ से गंवा दिया। दरअसल मालशिरस विधानसभा क्षेत्र से शरद पवार की एनसीपी के उम्मीदवार उत्तम जानकर को जीत हासिल हुई है, उन्होंने भाजपा के राम सातपुते को 13,147 वोटों से हराया है, लेकिन मरकरवाड़ी गांव में राम सातपुते को उत्तम जानकर से अधिक वोट मिले। श्री जानकर को 843 और श्री सातपुते को 1003 वोट मिले, जबकि यहां के लोगों का दावा था कि राम सातपुते को सौ, दो सौ वोटों से अधिक नहीं मिल सकते, इसमें ईवीएम की गड़बड़ है। अपने संदेह को दूर करने के लिए ग्रामीणों ने ऐलान किया कि हम अपने खर्च और व्यवस्था से मतपत्रों से फिर से चुनाव कराएंगे, इसके लिए उन्होंने मालशिरस के तहसीलदार को अनुमति के लिए आवेदन दिया था। लेकिन अनुमति देने की जगह प्रशासन ने यहां न केवल वोट डालने वालों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी, बल्कि धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी ताकि एक साथ पांच लोग इकट्ठा न हो पाएं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पांच दिसंबर तक निषेधाज्ञा लागू करने का ऐलान किया गया है। पुलिस की सख्ती और नागरिकों के मतदान की मांग के कारण अराजकता उत्पन्न न हो इस वजह से फिलहाल ग्रामीण अपनी मांग से पीछेहट गए हैं, हालांकि इस मुद्दे को आगे चुनाव आयोग और न्यायपालिका तक ले जाने का उनका फैसला अटल है, क्योंकि सवाल लोकतंत्र की रक्षा का है। मालशिरस के एक गांव में अगर फिर से मतदान होता, तो जाहिर है उसका कोई कानूनी आधार नहीं होता, न ही उन नतीजों से महाराष्ट्र के नतीजे प्रभावित होते, लेकिन जिस तरह पूरे राज्य में ईवीएम को लेकर सवाल उठे हैं और पूरे महाविकास अघाड़ी के बीच यह आशंका बलवती है कि उन्हें छल कपट से हराया गया, इस मतदान से कम से कम उन सवालों के जवाब मिल जाते। मरकरवाड़ी गांव के लोगों का कहना है कि यहां 2009, 2014, 2019 और पांच महीने पहले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को इतने वोट नहीं मिले थे, तो इस बार उत्तम जानकर को कम और राम सातपुते को ज्यादा वोट कैसे मिल सकते हैं। ग्रामीणों की यह आशंका मतपत्रों से चुनाव से दूर हो सकती थी और तब भी नतीजे अगर 23 तारीख को आए नतीजों की तरह रहते, तो ऐसे में चुनाव आयोग का दावा पुख्ता हो जाता कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं की गई। छोटी सी आबादी वाले एक गांव में मतपत्रों से चुनाव की एक छोटी सी कवायद पर अनावश्यक सख्ती दिखाकर चुनाव आयोग और भाजपा दोनों ने अपने चारों तरफ बन चुके संदेह के घेरे को और गाढ़ा कर लिया है। इधर महाराष्ट्र में जिस तरह सरकार बनाने में देरी हो रही है, उससे भी कई सवाल उपज रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान हो गया था, 23 तारीख को नतीजे आ गए और नतीजों में भाजपानीत महागठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हो गया है, इसके बावजूद अब तक सरकार गठन का काम लटका हुआ है। निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कभी हां, कभी ना और भाजपा की दबाव बनाकर सत्ता को मुट्ठी में रखने की राजनीति ने महाराष्ट्र की जनता के भविष्य को अधर में लटका दिया है। 70 सालों में शायद ही ऐसा मौका किसी राज्य में आया होगा कि किसी दल या गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने के बावजूद सरकार गठित करने और मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करने में 10 दिन से ऊपर लग जाएं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो चुका है और अगर किसी की भी तरफ से सरकार बनाने का प्रस्ताव न आए तो कायदे से राज्यपाल को स्वतरू कार्रवाई कर लेनी चाहिए। लेकिन महायुति में कायदा भी शायद दिल्ली से और दिल्ली का ही चल रहा है, इसलिए महायुति की बैठक के लिए तारीख पर तारीख घोषित हो रही है और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न कोई बैठक हुई, न कोई फैसला हुआ। 23 नवंबर को नतीजे आने के बाद 25 तारीख से दिल्ली और मुंबई के बीच महायुति के नेताओं के आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया। यह तय हो गया कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद के लिए फिर से मान गए हैं, लेकिन भाजपा ने यह स्पष्ट ही नहीं किया कि उसकी तरफ से देवेंद्र फड़नवीस का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए सामने आएगा या किसी अन्य को इस बार महाराष्ट्र की गद्दी सौंपी जाएगी। एकनाथ शिंदे अपनी कुर्सी छोड़ने के लिए तो राजी हो गए, लेकिन इसके बदले उन्हें क्या चाहिए, इस पर भी मामला अटका रहा। श्री शिंदे का सरकार गठन की चर्चा से दूर दो दिन तक अपने गांव जाकर बैठना और बार-बार बीमार पड़ना भी इस बात की तरफ इशारा करता है कि महायुति के बीच कोई बड़ी सौदेबाजी के अटके होने के कारण सरकार गठन का काम भी लटका हुआ है।

दीवारें उठी तो छोटा होगा हमारा आंगन

संभल की जामा मस्जिद का विवाद अभी सुलग ही रहा था कि अजमेर की दरगाह को भी विवाद के घेरे में उलझा दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह दरगाह भी किसी हिंदू मंदिर को ढहा कर बनायी गयी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में कई मस्जिदें मंदिरों के ऊपर बनायी गयीं। वह हमारे इतिहास का हिस्सा है। यह काम न होता तो अच्छा था। मंदिर अपनी जगह बने रहते, मस्जिदें अपनी जगह बनतीं। लेकिन इतिहास इस बात का साक्षी है कि विजेता पक्ष अपनी महत्ता और ताकत को साबित करने के लिए इस तरह के दंभपूर्ण काम करता है। अपने ही देश में एक धर्म के मंदिर ढहा कर दूसरे धर्म का पूजा स्थल बनाये जाने के ढेरों उदाहरण हैं। न जाने कितने बौद्ध मंदिर हिंदू मंदिरों को ढहा कर बने थे, और इसका विपरीत काम भी हुआ था। निःसंदेह, धर्म के नाम पर यह लड़ाई निंदनीय ही कही जा सकती है। यह भी समझना होगा कि इस तरह की लड़ाई अनंतकाल तक नहीं चल सकती। कहीं तो इस पर पूर्ण-विराम लगना ही चाहिए था। स्वतंत्र भारत के नेतृत्व में आजादी पाने के दिन अर्थात ?् 15 अगस्त, 1947 यह पूर्ण-विराम घोषित कर दिया। हमारी संसद ने वर्ष 1991 में एक कानून बनाकर यह तय कर दिया कि देश के सभी धार्मिक स्थल उसी रूप में रहेंगे जो सन ?् 15 अगस्त, 1947 को थाझ सिर्फ बाबरी मस्जिद के प्रकरण को इससे बाहर रखा गया था, क्योंकि यह विवाद तब न्यायालय में पहुंच चुका था। बहरहाल, अब वह विवाद नहीं रहा, अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। उम्मीद की गयी थी कि इसके साथ ही इतिहास को ठीक करने का तर्क भी समाप्त हो जायेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने तो स्पष्ट कहा था कि मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद बंद होनी चाहिए। पर ऐसा हुआ नहीं। कहना चाहिए ऐसा होने नहीं दिया जा रहा। कुछ तत्वों से जुड़े लोग चाहते हैं, कि इस विवाद की आंच जलती रहे। संभल और अजमेर में यही आंच जलाये रखने की कोशिश हो रही है। इससे, किसे क्या लाभ होगा यह वही जाने, पर नुकसान सारे देश को हो रहा है। अतीत के अपराधों को ठीक करने के नाम पर हम अपने भविष्य के प्रति अपराध किये जा रहे हैं! संविधान की मूलभूत भावना की रक्षा के लिए हमने पूजास्थल कानून बनाया था। तय किया था कि अब किसी पूजा स्थल में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होगा। स्पष्ट है, यह बीती को बिसार के आगे की सुधि लेने वाला निर्णय था। ताकि भविष्य सुरक्षित रहे, बेहतर हो। अब इस महत्वपूर्ण निर्णय को स्वयं न्याय व्यवस्था नकारती-सी दिख रही हैं। पहले वाराणसी में, और अब संभल में मस्जिदों के नीचे दबे मंदिरों की न्यायिक जांच करने का आदेश देकर जैसे किसी बांध का दरवाजा खोल दिया है। यही नहीं, बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे वोट भले ही दिलवा दें, पर इससे देश में सांप्रदायिक सौहार्द पर आंच ही आयेगी। आज आवश्यकता सांप्रदायिकता की आग पर पानी-मिट्टी डालने की है, लेकिन एक तरह से विवाद को भड़काया ही जा रहा है। मेरा मंदिर, तेरी मस्जिद वाला यह खेल अब बंद होना ही चाहिए। विभाजन के बाद जो अल्पसंख्यक अपना वतन छोड़कर पाकिस्तान नहीं गये थे, उनकी देशभक्ति पर उंगली उठाना सही नहीं है। अब भी कभी-कभी हमारे कुछ नेता देश के मुसलमानों को पाकिस्तान जाने की सलाह देकर शायद उन्हें यह जताना चाहते हैं कि वे भारत में अवश्य हैं, पर भारत के नहीं हैं। इस तरह की भावना भड़काने वाले गलत ही कर रहे हैं। देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल ने संविधान सभा में अल्पसंख्यक रिपोर्ट पेश करते हुए एक चेतावनी दी थी देश के बहुसंख्यकों को। उन्होंने कहा था यह हम बहुसंख्यकों को समझना है कि अल्पसंख्यक समुदाय क्या अनुभव कर रहा होगा और यह भी कि हमारे बारे में भी वही सोचा जाये जैसा अल्पसंख्यकों के बारे में सोचा जा रहा है तो हमें कैसा लगेगा? यह प्रश्न नहीं था, चेतावनी थी जो सरदार पटेल ने देश के बहुसंख्यकों को दी थी। और यह आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी 1949 में थी, जब लौह पुरुष सरदार पटेल ने देश को सांप्रदायिकता के खतरे से आगाह किया था। आजादी के इन 75 सालों में ऐसे बहुत मौके आये हैं जब हमने ईश्वर एक है की अपनी मान्यता को विश्व के समक्ष एक आदर्श के रूप में रखा है। यदि हम इस बात को मानते हैं तो फिर ऐसा कुछ बचा नहीं रहता जो धर्म के आधार पर हमें बांटे। आज संभल या अजमेर जैसे मुद्दे उठाकर हमारी वसुधैव कुटुंबकम ?् वाली मान्यता को चुनौती दी जा रही है। सारे विश्व को एक परिवार मानने वाला हमारा दर्शन किसी को पराया नहीं, अपना मानने का ही मंत्र देता है। विवेक का तकाजा है कि हम हिंदू-मुसलमान, सिख या ईसाई में मनुष्य को बांटने की प्रवृत्ति को पूरी ताकत से नकारें। जुड़ना सिर्फ हिंदुओं को नहीं है, देश के हर नागरिक को जुड़ना हैझ एक भारतीय नागरिक के रूप में जुड़ना है। संभल में जो हो रहा है अथवा अजमेर में जो किये जाने की कोशिश की जा रही है, वह हमें जोड़ेगी नहीं, सिर्फ तोड़ेगी। बांटेगी। सर संघचालक मोहन भागवत की इस बात को अमल में लाने की आवश्यकता है कि मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद अब बंद होनी चाहिए। भागवत से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह अपने इस महत्वपूर्ण कथन को अमल में लाने का वातावरण तैयार करें। अपने अनुयायियों को समझाएं कि देश के हर नागरिक का देश पर समान अधिकार है, और यह भी कि हर नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह देश- हित के बारे में सोचे, देश-हित को सर्वोपरि माने। मंदिर-मस्जिद वाला यह खेल अब बंद होना चाहिए। धार्मिक-स्थलों वाला 1991 वाला कानून देश में ईमानदारी के साथ लागू होना चाहिए। न्यायिक व्यवस्था से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह कानून के पालन का वातावरण बनाने में योगदान दें, न कि विवादों को हवा देने का काम करें। वर्ष 1991 में हमने मंदिर-मस्जिद के नाम पर होने वाले विवादों को समाप्त करने का एक सार्थक प्रयास किया था, उस प्रयास को धार देने की जरूरत है, उसे भुलाकर हम भविष्य के प्रति अपने कर्तव्य को ही भुला रहे हैं।

एक नए राजनैतिक नक्षत्र का उभार

अरविन्द मोहन

झारखंड के विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री चुन लिए जाने के बाद जब हेमंत सोरेन जब दिल्ली आकर अपने शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को देने आए तो कई लोगों को हैरानी हुई क्योंकि उनकी पिछली पारी में इसी जोड़ी ने उनका राज करना मुश्किल कर दिया था और आखिर में लंबी जेल भी काटने को मजबूर किया था। चुनावी लड़ाई में भी चंपई सोरेन और सीता सोरेन जैसे करीबी लोगों को तोड़कर भाजपा ने अपनी राजनैतिक लड़ाई को काफी हद तक सोरेन परिवार के खिलाफ निजी खुंदक जैसा बना लिया था। जो लोग हेमंत सोरेन और झारखंड के आम आदिवासियों का स्वभाव जानते थे उनके लिए यह न्यौता न तो महज औपचारिकता थी ना ही भाजपा के जले पर नामक छिड़कने की कोशिश। न ही इसमें यह जताने का भाव था कि आपने जितना परेशान किया मुझे आदिवासियों और झारखण्डियों का उतना ही पक्का समर्थन मिला। बताना न होगा कि मोदीजी और शाह की अनुपस्थिति के बिना भी हेमंत सोरेन का शपथ ग्रहण समारोह ग्रैंड था और उन्होंने चुनावी वायदों को पूरा करने का भरोसा दिया। हेमंत ने इस अवसर पर ही नहीं अपनी सरकार को गिराने की भाजपाई कोशिश के पूरे पांच साल के दौर में बहुत ही मैच्योर पॉलिटीशियन होने का प्रमाण दिया, जो उनके पिता शिबू सोरेन अर्थात गुरुजी समेत कोई आदिवासी नेता नहीं देता था। आम स्वभाव में अन्याय का तगड़ा प्रतिरोध करने वाला आदिवासी अक्सर ऐसी स्थितियों में काफी उग्र प्रतिक्रिया देता रहा है जबकि उसके नेता लोभ और दबाव में टूट जाते रहे हैं। यह बात देश भर पर लागू होती है लेकिन झारखंड पर खास तौर से। वहां नेता बार-बार श्बाइकश हैं लेकिन जनता का बगावती तेवर मद्धिम नहीं पड़ा है। हेमंत ने इसी स्वभाव को पहचान कर उसे अपनी लड़ाई का मुख्य हथियार बनाया। उन्होंने झारखंड और आदिवासियों से भेदभाव का सवाल केन्द्रीय रखा और अपना दावा कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। और जब जेल जाने की स्थिति बनी तो सीधी टकराहट (जैसा दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल ने दिखाया) या अपने परिवार के किसी को कुर्सी सौंपने की जगह कोलहान टाइगर नाम से मशहूर चंपई सोरेन को गद्दी सौंप दी। जेल से छूटने के बाद उन्होंने गद्दी वापस ली तो भाजपा ने उसे भी मुद्दा बनाकर और कुछ लोभ देकर चंपई को अपने पक्ष में किया। माना जाता है कि अगर उनके निर्वाचन क्षेत्र में आदित्यपुर और गमरिया जैसे जमशेदपुर के शहरी हिस्से न होते तो उनको भी आदिवासी नकार चुके होते। चंपई हों या सीता सोरेन उनका व्यवहार पहले कांग्रेस या भाजपा या कहें सत्ता के प्रलोभनों और दबाव में टूटे अन्य आदिवासी नेताओं जैसा ही रहा। जबकि हेमंत ने तब भी दो पावर सेंटर न बनने देने की जबरदस्त व्यावहारिक सोच दिखाते हुए (कहा जाता है कि यह सुझाव सोनिया गांधी का था) मुख्यमंत्री की कुर्सी वापस ले ली। और देखा कि उन्होंने कितनी मुश्किल लड़ाई को किस आसानी से जीत लिया। शिवराज सिंह चौहान और हेमंत बिस्वा सरमा जैसों की महीनों की कवायद और भाजपा का सारा संसाधन धरा रह गया। घुसपैठ का मुद्दा बनाने के लिए भाजपा ने (जिसके असली सूत्रधार मोदी-शाह ही रहे) आखिरी दिन तक छापा, गिरफ्तारी, कथित मनी-ट्रेल बनाने जैसी सारी तैयारियां पूरी कर ली थी, लेकिन कुछ काम न आया। बल्कि उसे अब तक आराम से मिलने वाला ओबीसी वोट भी इस बार पहले से कम हुआ और उसे सिर्फ शहरी और अगड़ा वोटरों का सहारा रह गया। आदिवासी वोट तोड़ने की सारी कवायद फेल हो गई और अंतिम समय अपनी पार्टी का विलय करके भाजपा अध्यक्ष बने बाबूलाल मारांडी को भूमिहार वोट के सहारे जीतना पड़ा। इसके लिए नाराज पूर्व सांसद रवींद्र राय को मनाना और बागी नित्यानंद राय को बैठाने में जोर लगाना पड़ा। उल्लेखनीय है कि भाजपा की तरफ से सिर्फ बाबूलाल मारांडी और चंपई सोरेन ही जीत पाए थे। हेमंत की सफलता दो को छोड़कर सारे आदिवासी ठिकानों से अपने अर्थात झामुमो और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जिताना नहीं है। उसे इनसे या अधिकांश आदिवासी वोट पाने भर से ठीक से समझा ही नहीं जा सकता। सारी रिजर्व सीटों पर तो भाजपा पिछली बार भी हारी थी। हेमंत का असली बड़ा काम है अलग-अलग कबीलों में अब तक बंटे रहे झारखंड के आदिवासी समाज को एकजुट करना। आपको याद होगा कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी शिबू सोरेन उरांव प्रभुत्व के तमाड़ इलाके में जाकर अनजान पीटर से हार गए थे। आदिवासियों की नई एकजुटता तो भाजपा द्वारा पहला गैर-आदिवासी मुख्यमंत्री (रघुवर दास) बनाने से ही शुरू हुई थी लेकिन उसे एक अंजाम तक लाना आसान न था। हेमंत ने यह काम किया और आज वे शिबू सोरेन समेत किसी भी आदिवासी नेता की तुलना में बड़ा और ज्यादा ताकतवर बन चुके हैं। इसलिए अब उनकी जवाबदेही ज्यादा बड़ी है-झारखंड के साथ मुल्क भर के आदिवासियों की आवाज बनाना और देश की राजनीति में आदिवासी स्वर को अधिक प्रमुख स्थान दिलाना। हेमंत ने अपना कौशल इंडिया गठबंधन के साथी दलों के दावों और उम्मीदवारों को संभालने में भी दिखाया। यह जरूर है कि राहुल गांधी ने उनको फ्री-हैंड दिया लेकिन झारखंड चुनाव अभियान लगभग पूरी तरह हेमंत के कंधों से ही चला। अगर कोई श्रेय में दावेदारी कर सकता है तो वह उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ही हैं जिन्होंने घटक दलों की पंचायत या सरकारी कामकाज भी निपटाने जैसे जिम्मों से मुक्त होकर हेमंत से भी ज्यादा चुनावी सभाएं कीं।

नकली भारतीय मुद्रा की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था के अस्थिर होने का खतरा

नन्तू बनर्जी

अह गंभीर चिंता का विषय है कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या 2018-19 और 2023-24 के बीच लगभग चार गुना, और 2020-21 से 2,000 रुपये के नकली नोटों की तीन गुना हो गयी है। ध्यान रहे कि 2,000 रुपये के नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं और इन्हें रिजर्व बैंक के कार्यालयों में बदला जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, मई 2023 में 2000 के मुद्रा नोटों को वापस लेने के कदम के बाद से इनमें से 98 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। लेकिन 500 और 200 रुपये के नकली नोटों का तेजी से बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय बन गया है। 500 रुपये के नोट रोजमर्रा के लेन-देन की रीढ़ बन गये हैं और पिछले कुछ सालों में इसके प्रचलन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों ही इस बात से चिंतित हैं। पिछले हफ्ते केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने देश में नकली नोटों के बढ़ते प्रचलन को लेकर लोकसभा में चिंता जताई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 में 2,18,650 लाख पीस नकली नोट पकड़े गये थे। 2022-23 में यह 9,11,100 लाख के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में थोड़ा कम होकर 8,57,110 लाख हो गया। यह 2018-19 में पकड़े गये 2,18,650 लाख पीस से काफी अधिक है। हालांकि, पकड़े नहीं गये

नकली नोटों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। आमतौर पर ये ग्रामीण या अर्ध-शहरी बाजारों में प्रचलन में होते हैं। संचालक और ग्राहक पहचान से बचने के लिए बैंकों से बचते हैं। नकली भारतीय मुद्रा नोटों का उपयोग मुख्य रूप से देश की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने और आर्थिक आतंक पैदा करने के लिए आतंकवादी गतिविधियों में किया जाता है। माना जाता है कि पश्चिम बंगाल और असम की सीमाएं बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल से नकली भारतीय मुद्रा के प्रमुख प्रवेश बिंदु हैं। कहा जाता है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों ही देश के पूर्वी हिस्से में नकली भारतीय मुद्रा भेजने के लिए नेपाल का उपयोग कर रहे हैं। हाल ही में, पुलिस द्वारा नकली मुद्रा संचालन पर एक बड़ी कार्रवाई में, असम के गोलाघाट शहर के गुलाम पट्टी क्षेत्र से चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अत्याधुनिक मुद्रा मुद्रण उपकरण और विभिन्न मूल्यवर्ग के नकली नोट जब्त किये और प्रमुख संचालकों के रूप में ब्रांडेड दुदु अली और राजीबुद्दीन अहमद सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि, सरगना गिरफ्तारी से बचे रहने में कामयाब रहे ।हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के एक अनुमान से पता चला है कि देश में जब्त किये गये कुल नकली नोटों का लगभग 80 प्रतिशत मालदा, मुर्शिदाबाद और नादिया के तीन भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती जिलों से आता है। इन तीन जिलों से भेजी जाने वाली नकली नोटों की सबसे ज्यादा मात्रा मालदा से आती है। बांग्लादेश न सिर्फ नकली भारतीय नोटों के लिए एक अहम जरिया है, बल्कि वहां नकली नोट भी छापे जा रहे हैं। बांग्लादेश की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के इन तीन मुस्लिम बहुल जिलों के जरिये इन्हें देश में भेजा जाता है। इन जिलों के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में ठेके पर मजदूरी करके अपनी आजीविका चलाता है। कहा जाता है कि उनमें से कई बांग्लादेश के जरिये तस्करी करके लाये गये नकली भारतीय नोटों के कूरियर के तौर पर इस्तेमाल किये जाते हैं। हाल ही में, बांग्लादेश में नकली भारतीय नोटों की आपूर्ति और वितरण नेटवर्क काफी बढ़ गया है। हाल ही में सीमा के जरिये भारत में जाली भारतीय मुद्रा के अवैध प्रेषण में तेजी आई है, जो चिंता का विषय बन गया है। कुछ समय पहले ही ढाका में पुलिस ने बड़ी संख्या में जाली भारतीय मुद्रा नोटों से भरी बोरियां जब्त की थीं। ढाका में स्थानीय मीडिया ने बांग्लादेश पुलिस के हवाले से कहा कि पाकिस्तान में लाहौर स्थित एक सिंडिकेट ऐसे जाली नोट छापता है।

मुफ्त की बड़ी कीमत

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी। निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन श्रृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है। वहीं अपनी लोकलुभावनी नीतियों के दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करके दोनों राज्यों की सरकारों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर फंड रोकने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप ही लगाया है। वहीं दूसरी ओर पूंजी निवेश योजना के लिये विशेष सहायता से हिमाचल को बाहर किए जाने पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ऐसे ही पंजाब सरकार भी विकास निधि के आवंटन में पक्षपात का आरोप केंद्र सरकार पर लगाती रही है। जबकि यह एक हकीकत है कि चुनावी लोकलुभावनवाद से प्रेरित अस्थिर राजकोषीय नीतियां ही संकट के मूल में हैं। यह टकसाली सत्य है कि राज्य सरकारें बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के चलते वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। यह वक्त की दरकार है कि राज्य सरकारें अपना ध्यान खैरात बांटने के बजाय संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित करें। दरअसल, राज्यों को वित्तीय संकट से उबारने के लिये राजकोषीय विवेक, कुशल कर संग्रह और तार्किक सब्सिडी समय की मांग है।

हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति के नेतृत्व में बांग्लादेश में हो रहे हिन्दूओं पर अत्याचारों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे हिंसात्मक अत्याचार एवम बर्बरता से क्षुब्ध हिंदू समाज ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। इसमें विविध सामाजिक संगठनों एवम संत महात्माओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, गौ रक्षा दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संस्कार भारती समेत विभिन्न संगठनों से जुड़े समाजसेवी, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद आदि शामिल हुए। सभी लोगों ने एक–एक कर धरने के माध्यम से अपनी बातों को सामने रखा। बड़ी संख्या में लोग टाऊन हॉल इकठ्ठा हुए, वहां से जनआक्रोश प्रदर्शनकारी वन्दे मातरम, जय श्रीराम, बांग्लादेश मुर्दाबाद, हिन्दूओं पर अत्याचार करने वालों को फांसी दो जैसे नारे लगाते हुए देवरिया कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में नागरिकों और साधु–संतों के उत्पीड़न, मुकदमा, गिरफ्तारी की घटनाओं पर जबरदस्त रोष प्रकट किया।हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति देवरिया की ओर से महामहीम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी देवरिया दिव्या मित्तल को सौंपा। ज्ञापन जिला संयोजक डॉ.अजय मणि त्रिपाठी, गोरक्ष प्रान्त प्रचारक रमेश, बारीपुर महंथ स्वामी नृत्य गोपाल दास, मनोकामना पूर्ण हनुमान मंदिर के महंथ राजेश नारायण दास, डा.भावना सिन्हा, कृष्ण प्रताप, वेद प्रकाश, राकेश मिश्र, अवनिंद्र ने सौंपा। धरना में गोरक्ष प्रान्त प्रचारक रमेश ने कहा कि बांग्लादेश राजनीतिक षड्यंत्र और अराजकता के दौर से गुजर रहा है, जिससे वहां रहने वाले निर्दोष सनातनी हिन्दू, धर्मावलंबियों के साथ साथ सिक्ख, बौद्ध एवम जैन के भी आस्था स्थलों एवं नागरिकों पर हमले किए जा रहे हैं। बहनों के साथ बलात्कार हो रहे हैं, साथ ही बांग्लादेश की सरकारी नौकरियों में काम करने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों से भी बलपूर्वक त्यागपत्र लिया जा रहा है। ऐसे में वहां का हिन्दू समाज एक अनाथ समाज की तरह हो गया है। यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है इसके लिए सर्व समाज को एक मंच पर आना होगा। पूर्व सांसद डॉ.रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि पिछले कई महीनों से भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति फैली हुई है, छात्र आंदोलन के नाम पर शेख हसीना की सरकार को हटा दिया गया। तब से आंदोलन की आड़ में हिंदुओं और हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। कहा कि बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए हम भारत सरकार से यह अपेक्षा करते हैं कि कूटनीतिक, राजनीतिक एवं संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग आदि संस्थानों पर दबाव बढ़ाकर समाधान के लिए कार्यवाही कराई जाए। भारत सरकार बांग्लादेश पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए। जिसके लिए पूरा हिन्दू समाज भारत सरकार के साथ अपने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पीछे चट्टान की तरह खड़ा है। सभा में हनुमान मंदिर के महंथ राजेश नारायण दास ने विभिन्न संप्रदायों के संतों से एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि यदि भारत सरकार ने शीघ्र कदम नहीं उठाए तो हिन्दू समाज और संत मिलकर बांग्लादेश जाने पर विचार कर सकते हैं। जिला संयोजक डॉ अजय मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह जनआक्रोश प्रदर्शन बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा और धर्मस्थलों की रक्षा के लिए देशव्यापी चिंता को दर्शाता है। सत्यप्रकाश तिवारी शंखबाबा ने लंबे समय तक शंख बजा कर इस अभियान हेतु शंखनाद किया। ज्ञापन में बांग्लादेश के हिन्दूओं और उनके मंदिरों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई। पीड़ित हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यक परिवारों उनके व्यावसायिक, धर्मस्थलों की सुरक्षा एवम उनको संरक्षण प्राप्त हो सके। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि भारत सरकार बांग्लादेशी मुसलमानों और रोहिंग्याओं को भारत से निष्कासित करे। टाउन हॉल में जन आक्रोश प्रदर्शन से पूर्व उपस्थित लोगों को राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, देवरिया सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, बरहज विधायक दीपक मिश्र शाका, जिला महामंत्री प्रमोद शाही, प्रमोद कुमार मिश्रा, वीरेंद्र मणि त्रिपाठी आदि ने भी संबोधित किया। जनआक्रोश प्रदर्शन में प्रान्त सह कार्यवाह वीरेन्द्र, संघ विभाग प्रचारक ऋषि, जिला प्रचारक आकाश, करुणेश, अवनींद्र, पूर्व सांसद रविन्द्र कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश तिवारी, विधायक गण क्रमशः पूर्व मंत्री जयप्रकाश निषाद, सुरेन्द्र चौरसिया, डा रतनपाल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश मणि, क्षेत्रीय मंत्री हरिचरण कुशवाहा, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, रविंद्र किशोर कौशल, सत्येन्द्र मणि त्रिपाठी, अंकुर राय, डा डॉ. मकसूदन मिश्र, विष्णु गोयल, संजय राव, रमेश वर्मा, संतोष, नमों नारायण मिश्र, सत्येन्द्र शुक्ला, रविशंकर त्रिपाठी, शिवम, ज्ञान, निर्मला गौतम, रितु सिंह, आदि रहे।

वृद्धजनों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य कैंप का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख असद हुसैन

अमेठी वृद्धजनों के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम) राजगढ़ गौरीगंज अमेठी में जिला अस्पताल असैदापुर के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डा० पीताम्बर कन्नौजिया व उनकी टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में उपस्थित समस्त वृद्धजनो की बी.पी. चेक की गयी तथा ताकत, गैस, और बुखार तथा आँख की दवा वृद्धजनों को निशुल्क प्रदान की गयी। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान सभी सेवासियों का स्वास्थ्य सामान्य पाया गया। किसी को भी कोई गम्भीर समस्या नहीं थी। चिकित्सा शिविर में डा० पीताम्बर कन्नौजिया द्वारा समस्त वृद्धजनों को उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए उनके खानपान, व्यायाम, दैनिक दिनचर्या इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी व स्वस्थ्य रहने के विभिन्न उपायों को विस्तार पूर्वक बताया गया।

बोलेरो पलटने से दो बराती घायल

मिजार्पुर। हलिया-ड्रमंडगंज मार्ग पर हरसड़ कोटार गांव में सोमवार की रात आठ बजे बरातियों को लेकर जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में बोलेरों में सवार आठ में से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस से दोनों घायलों को पीएचसी पहुंचाया गया। प्रयागराज के कोरांव थाने के बैदवार गांव से बोलेरो में सवार होकर आठ लोग बरात में शामिल होने जा रहे थे। हरसड़ कोटार गांव के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर पलट जाने से वाराणसी के बलरामपुर गांव निवासी 26 वर्षीय सुजीत प्रजापति व जौनपुर के मछलीशहर निवासी 29 वर्षीय संदीप मौर्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य छह लोग लोग बच गए।

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए ठोस पहल करें केंद्र सरकार : काशीनाथ सिंह

चंदौली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के विरोध में मंगलवार को भाजपा और अन्य हिंदू संगठनों के लोगों ने जिला मुख्यालय पर जनाक्रोश रैली निकाली। लोगों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नगर भ्रमण के बाद नेताओं ने कलेक्ट्रेट में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को सौंपा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि बांग्लादेश की सरकार हिंदुओं की रक्षा करने में विफल है। इससे विश्व में हिंदू समाज आक्रोशित है। कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदु समाज की महिलाओं की अस्मिता सुरक्षित नहीं है। कहा कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए ठोस पहल करनी चाहिए।

नौ बने महादानी

चित्रकूट। ब्लाक परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नौ महा दानियों ने रक्तदान किया। 21 ने रक्तदान के लिए पंजीयन कराया। मंगलवार को ब्लाक परिसर में आयोजित स्वैच्छित रक्तदान शिविर का शुभारंभ बीडीओ रामजी शुक्ला ने किया। उन्होंने कहा कि सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इससे किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है। सीएचसी के प्रभारी डॉ. आशुतोष जायसवाल ने निस्वार्थ भाव से भी रक्तदान होता है। तीन चार महीने के अंतराल में दुबारा रक्तदान कर सकते हैं। रामबाबू त्रिपाठी, रामेश्वर पाल, प्रमोद कुमार, शैलेंद्र सिंह, बृजेंद्र यादव, अभिमन सिंह, राहुल गौतम, दुर्गेश नंदन पांडेय, राकेश कौशल ने रक्तदान किया। बीडीओ ने सभी का उत्साहवर्धन किया।

कार की डिक्की में मिला प्रतिबंधित पशु का मांस

कानपुर। कार की डिक्की में प्रतिबंधित पशु का मांस मिला। महाराजपुर थाने में पुरवामीर चौकी प्रभारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। महाराजपुर पुलिस ने सोमवार रात एक कार की डिक्की से प्रतिबंधित पशु का मांस बरामद किया है। कार की चेकिंग के दौरान कार सवार लोग पुलिस को चकमा देकर भाग गए। पुलिस ने पुरवामीर चौकी प्रभारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार सवारों की तलाश शुरू कर दी है।

एआई की मदद से कानपुर समेत कई शहरों को स्मार्ट बनाएगा आईआईटी

कानपुर। आईआईटी कानपुर में एआई इन सस्टेनेबल सिटी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हुई। चार प्रमुख बिंदुओं पर काम होगा। अन्य शैक्षणिक संस्थान पार्टनर के रूप में शामिल हैं। जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका एआई अब शहरों को भी स्मार्ट बनाने में मदद करेगा। आईआईटी इसकी सहायता से कानपुर समेत कई शहरों की दशा सुधारने के साथ चुनौतियों का समाधान करेगा। इसके लिए संस्थान में एआई इन सस्टेनेबल सिटी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। इसमें एनर्जी, अर्बन मोबिलिटी, मॉनिटरिंग और ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में काम होगा। आने वाले कुछ सालों के भीतर शहरों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय मेक एआई इन इंडिया, मेक एआई वर्क फॉर इंडिया के तहत एआई इन हेल्थ, एआई इन एग्रीकल्चर और एआई इन सस्टेनेबल सिटी पर उत्कृष्टता केंद्र स्थापित कर रहा है। एआई इन सस्टेनेबल सिटी की जिम्मेदारी आईआईटी कानपुर को मिली है। आईआईटी में स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के डीन प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी इसके प्रोजेक्ट डाइरेक्टर हैं। उन्होंने बताया कि

आईआईटी कानपुर के साथ आईआईएससी बंगलूरू, आईआईटी गांधीनगर, हैदराबाद, कालीकट एकेडमिक पार्टनर के रूप में शामिल हैं। ऐसे होगा काम एनर्जी : इसके तहत चार बिंदुओं पर कार्य किया जाएगा। सीएनजी, पीएनजी की मांग व आपूर्ति पर काम होगा। अहमदाबाद के डाटा पर एआई मॉडल विकसित किया जा रहा है। कोशिश होगी कि मांग का पहले से ही पूवार्नुमान किया जाए, जिससे सप्लाई में बाधा न आए। लॉजिस्टिक, इलेक्ट्रिक सप्लाई और फॉल्ट डिटेक्शन मॉडल भी तैयार किया जाएगा। मॉनिटरिंग : इसमें वायु गुणवत्ता और बुनियादी ढांचे पर काम हो रहा है। वायु गुणवत्ता के लिए डाटा निकालना सबसे बड़ी समस्या है, इसके लिए स्वदेशी सेंसर तैयार किए जा रहे हैं। इससे हवा खराब होने का कारण और स्रोत का पता चल सकेगा। इसके अलावा हाई रेजोल्यूशन कैमरों के साथ ड्रोन तैयार हो रहे हैं जो आधारभूत संरचना में आ रही दरारों की जानकारी देंगे। अर्बन मोबिलिटी : इसमें रियल टाइम ट्रैफिक अपडेट के साथ मेट्रो या अन्य वाहनों का समय पता चलेगा। इसके अलावा शहर में कहीं वीवीआईपी मूवमेंट हो रहा है, उसकी जानकारी भी मिलेगी, ताकि लोगों को जाम में न फंसना पड़े। पुणे में एप तैयार किया गया है, जिसका दो लाख लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे उनको रियल टाइम अपडेट मिलती है। ई-गवर्नेंस : इसकी मदद से ऑनलाइन शिकायत स्वतः ही संबंधित विभाग के पास चली जाएगी। इससे लोगों को निस्तारण के लिए इधर उधर भटकना नहीं होगा। कई बार होता है कि एक शिकायत दो विभागों के बीच ही झूलती रहती है। इससे निजात मिलेगी।

वाराणसी में दुस्साहसिक वारदात, 5 घंटे बाद होश में आई महिला

वाराणसी। घटना की जानकारी मिलने के बाद चोलापुर थाने की पुलिस ने मौका-मुआयना किया। जासूसी कुतिया 400 मीटर जाकर रूक गई। वहीं, घटना के पांच घंटे बाद महिला होश में आई तो उसने पूरा मामला बताया। भुक्तभोगी ने तहरीर दे दी है। चोलापुर थाना क्षेत्र के अजगरा गांव में बीती रात ढाई बजे प्रभाकर पांडे के घर में स्प्रे गैंग बदमाश पिछले हिस्से से घर के आंगन में आकर एक कमरे का दरवाजा खटखटाने लगे। प्रभाकर की पत्नी दीपिका और पुत्र अभिषेक ही थे। दीपिका ने दरवाजा खोला तो लाल टी शर्ट पहले और मुंह पर गमछा बांधे हुए दो लोगों ने उनके चेहरे पर स्प्रे छिड़क दिया। इसेस महिला बेहाश हो गई। घर में घुसे बदमाशों ने अलमारी से सोने की हार, चार चूड़ी, तीन-बाली, सोने के तीन चैन, चार अंगूठी, मंगल सूत्र और पैजनी चुरा ले गए। इनकी कुल कीमत दस लाख बताई जा रही है। भोर में अभिषेक की नींद खुली तो घर में काफी अंधेरा था। टॉर्च टार्च जलाकर देखा तो घर का सामान बिखरा था और मां दीपिका जमीन पर गिरी हुई थी। इसके बाद बगल के कमरे में चाचा रमेश को जगाया तब जाकर पता चला कि घर में चोरी हुई है। दीपिका को नीजी चिकित्सालय लाया गया। सुबह आठ बजे होश आने पर उसने पूरी घटना की जानकारी दी। वहीं, सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जासूसी कुतिया और फॉरेंसिक टीम ने पड़ताल की। वहीं, दिवाकर पाण्डेय ने घटना की तहरीर दी है।

रिमझिम इस्पात समूह की जांच में 500 करोड़ की अघोषित आय का खुलासा

कानपुर। आईफोन का पासवर्ड न बताने पर दिल्ली की क्लाउड कंपनी पर अफसरों ने सर्वे किया। योगेश अग्रवाल और उनके बेटे आईफोन का इस्तेमाल करते हैं। और राज खुलेंगे। रिमझिम इस्पात समूह में लगातार छठवें दिन भी आयकर की जांच जारी रही। सूत्रों के अनुसार, जांच में समूह की 500 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है। इसी तरह 200-300 करोड़ की बोगस बिक्री मिली है। स्टॉक में 80 करोड़ का अंतर मिला है। बताया जा रहा है कि एक बिल्टी पर तीन-तीन बार उत्पाद मंगाया गया है। छापे में पांच करोड़ के गहने, तीन करोड़ की नकदी पहले ही मिल चुकी है। कंपनी के मालिक योगेश अग्रवाल और उनके दोनों बेटे आईफोन का इस्तेमाल करते हैं। समूह के लोगों की ओर से आईफोन का पासवर्ड नहीं बताने पर आयकर अफसरों ने दिल्ली की क्लाउड कंपनी पर सर्वे किया। वहां से पासवर्ड मिलने के बाद डाटा क्लोनिंग का काम शुरू किया गया है। ऐसे में कई राज और सामने आ सकते हैं। कर चोरी की रकम भी बढ़ सकती है। कानपुर में चार और दिल्ली में एक जगह अभी जांच चल रही है। यह एक-दो दिन और चल सकती है। सूत्रों ने बताया कि बोगस फर्मों के जरिए दो नंबर की कमाई को एक नंबर बनाया जा रहा था। दावा है कि 15 बोगस फर्मों के जरिए 200-300 करोड़ की बोगस बिक्री पकड़ी गई है। जांच के दौरान कंपनी के उत्पादन, बिक्री में बड़े स्तर पर गड़बड़ी मिली। सूत्रों ने बताया कि बोगस फर्मों से जुड़े 20 लोगों का पता चला है। इसमें दिल्ली का एक कारोबारी तो दूसरे व्यक्तियों के बैंक खाते का इस्तेमाल कर रहा था। इसके एवज में एक लाख रुपये महीना भुगतान कर रहा था। इस खाते का उपयोग बोगस खरीद और बिक्री की कमाई को एक नंबर की कमाई बनाने में किया जा रहा था। बता दें कि आयकर विभाग के 250 से ज्यादा अफसरों की अलग-अलग टीमों ने बीते गुरुवार को कंपनी के मालिक योगेश अग्रवाल के कानपुर स्थित आवास, कॉरपोरेट कार्यालय और उन्नाव, हमीरपुर की फैक्टरियों पर छापा मारा था। इसके अलावा कंपनी से जुड़े डीलरों के उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, हैदराबाद, कर्नाटक, हरियाणा, ओडिशा में 50 से ज्यादा प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई थी।

प्लेज पार्क योजना के प्रचार–प्रसार हेतु जागरूकता बैठक 6 दिसंबर को

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। उपायुक्त उद्योग, सतीश कुमार ने जानकारी दी है कि माननीय मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी प्लेज पार्क योजना के प्रचार–प्रसार और जागरूकता के उद्देश्य से एक बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक 6 दिसंबर 2024 को अपराह्न 3 बजे, उपायुक्त उद्योग कार्यालय, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, देवरिया में आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित सदस्यों को अवगत कराया गया है कि वे इस बैठक में समय पर उपस्थित होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दी गई सहायता राशि

ब्यूरो प्रमुख प्रद्युम्न कुमार यादव

देवरिया। एमएलसी श्री रतनपाल सिंह, जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री संकल्प शर्मा ने बुधवार को

अपराह्न माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर दिवंगत विशाल सिंह तथा दिवंगत निहाल सिंह के घर जाकर उनके परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। यह धनराशि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से प्रदान की गई है। इस अवसर पर एमएलसी श्री रतनपाल सिंह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं तथा स्थिति पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने पुलिस को दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। दोषियों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा भी उपलब्ध करा दी गई। मुख्यमंत्री जी ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया है।

संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्य समाज के प्रति गौरवपूर्ण-नेत्र रोग परीक्षक चन्द्रेश कुशवाहा

ब्यूरो प्रमुख असद हुसैन

इन्हौना अमेठी,सामाजिक,शिक्षा,चिकित्सा,क्रीड़ा क्षेत्र मे उत्कृष्ट योगदान देने वाले कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि.के

प्रबंधक ग्राम पंचायत भटमऊ,बाजार शुक्ल अमेठी निवासी समाजसेवी पी.के.तिवारी जो कि प्रबुद्धजनों से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग उनको सम्मानित दृष्टि से देखता है और उनका उत्साहवर्धन करता रहता है ने आधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल कुशवाहा आंख,मुख एवं दांत हास्पिटल इन्हौना पहुंचकर कुशल नेत्र रोग परीक्षक चन्द्रेश कुशवाहा से मुलाकात कर सामाजिक विषयों पर चर्चा की एवं चिकित्सा क्षेत्र मे उत्कृष्ट योगदान देने हेतु उन्हे बतौर संस्था प्रबंधक श्री राधाकृष्ण प्रतिमा भेंटकर प्रोत्साहित किया एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की वहीं नेत्र रोग परीक्षक चन्द्रेश कुशवाहा ने संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी का आभार व्यक्त किया एवं संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यों को समाज के प्रति गौरवपूर्ण बताया, बताते चलें कि संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी विशेषकर शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र मे शिक्षकों तथा विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों तथा चिकित्साकर्मियों का प्रोत्साहन करते हुए देखे जाते हैं समाजसेवी ने कहा कि वह प्रबुद्धजनों के सहयोग एवं मार्गदर्शन मे भविष्य मे और भी बेहतर से बेहतरीन करने की कोशिश करेंगे और समाज के प्रति समर्पित रहेंगे उक्त अवसर पर पत्रकार समीर अहमद,पत्रकार इकरार अहमद एवं रईस अहमद भी उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ

रायबरेली विश्व एड्स दिवस के क्रम में जिला महिला चिकित्सालय रायबरेली में आज दिनांक 4 दिसंबर 2024 को एक संगोष्ठी का

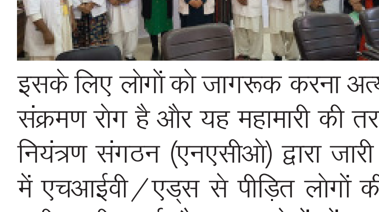

आयोजन किया गया, इस अवसर पर जिला महिला चिकित्सालय रायबरेली की सी.एम.एस. डॉ. निर्मला कुमारी,एड्स एक जानलेवा बीमारी है, और इसके लिए लोगों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। एड्स एक संक्रमण रोग है और यह महामारी की तरह फैलता है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा जारी आंकड़ों का माने को भारत में एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों की संख्या में बीते 10 वर्षों में भारी कमी आई है। यह लोगों में एचआईवी/एड्स को लेकर जागरूकता ही है, जिसके कारण इस घातक जानलेवा बीमारी को नियंत्रित किया जा सका है लोगों के बीच एचआईवी/एड्स महामारी को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इस बीमारी के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना और एड्स पीड़ितों के प्रति सहानुभूति और समर्थन दिखाना है। चिकित्सालय मैनेजर मृणालिनी उपाध्याय ने कहा जानकारी ही इसका बचाव है डॉ. मीरा आनंद, डॉ. सुजाता त्रिपाठी, सिस्टर शशीबाला सिंह, सरोजनी तिवारी (मैट्रन), आई०सी०टी०सी० काउन्सलर सीमा यादव, एल०टी० प्रभात शर्मा एवं चिकित्सालय के मेडिकल एवं पैरामैडिकल स्टॉफ उपस्थित रहे।

सर्दियों में रोजाना खाली पेट पिएं यह ड्रिंक, इम्यूनिटी से लेकर स्किन तक होगा फायदा

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में सुपरफूड माना गया है। इन दोनों में कई पोषक तत्व और औषधीय गुण होते हैं, जो न केवल सर्दी-खांसी जैसी आम समस्याओं से बचाते हैं, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करते हैं। सर्दियों में, इनका सेवन करने से आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं अदरक और हल्दी से बने शॉट्स के फायदे और इसे बनाने का तरीका।

अदरक-हल्दी शॉट्स पीने के फायदे

पाचन में सुधार

अदरक और हल्दी दोनों ही पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में बहुत मददगार हैं। अदरक का सेवन आंतों में गैस और सूजन को कम करता है, जिससे आपका पेट हल्का और आरामदायक महसूस करता है। हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन, एक ऐसा सक्रिय तत्व है जो भोजन को पचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाता है। इसके नियमित सेवन से अपच, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इन दोनों में एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखते हैं। यह आपके पेट की कार्यक्षमता को बढ़ाकर मेटाबॉलिज्म को भी सुधारते हैं।

सूजन कम करता है

अदरक और हल्दी में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और जलन को कम करने में सहायक हैं। अगर आप पुरानी सूजन, गठिया या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, तो अदरक और हल्दी के शॉट्स इसका बेहतरीन समाधान हो सकते हैं। हल्दी का कर्क्यूमिन सूजन के लिए जिम्मेदार कोशिकाओं को शांत करता है और अदरक में मौजूद जिंजरोल हड्डियों और मांसपेशियों में सूजन को कम करता है। इसका सेवन करने से जोड़ों की गतिशीलता में सुधार होता है और आपको लंबे समय तक दर्द से राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्याओं से बचने के लिए अदरक और हल्दी का शॉट एक नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर है। हल्दी और अदरक में मौजूद एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण शरीर को बैक्टीरिया और वायरस से बचाने में मदद करते हैं। यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को इतना मजबूत बनाता है कि आपका शरीर संक्रमणों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। रोजाना इसका सेवन सर्दियों में विशेष रूप से लाभकारी होता है, क्योंकि यह गले की खराश, खांसी और जुकाम जैसी आम समस्याओं को रोकने में मदद करता है।

हृदय को स्वस्थ बनाए

हल्दी और अदरक के नियमित सेवन से दिल की सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है। अदरक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे दिल पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम होता है। हल्दी और अदरक दोनों कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने का काम करते हैं, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। यह धमनियों में जमने वाले प्लाक को भी रोकता है और रक्त प्रवाह को सुचारू बनाता है। इनके सेवन से दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और संपूर्ण कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को बेहतर तरीके से कार्य करने में मदद मिलती है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

अदरक और हल्दी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स न केवल आपकी त्वचा को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं, बल्कि उसे चमकदार और जवां भी बनाए रखते हैं। यह त्वचा के दाग-धब्बे, झुर्रियां और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करते हैं। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण भी होते हैं, जो त्वचा पर होने वाले संक्रमण और फंगल समस्याओं को दूर करते हैं। अदरक स्किन टोन को सुधारता है और डलनेस को कम करता है। अगर आप मुंहासों या दाग-धब्बों से परेशान हैं, तो यह ड्रिंक आपकी स्किन को डीटॉक्स करने और ग्लोइंग बनाने का काम करता है।

केला उबालें और रात में पिएं इसका पानी, फिर सुबह देखें चमत्कार

यह तो हम सभी जानते हैं कि केले को रोजाना डाइट में शामिल करने से कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं। पर क्या आपने कभी केले को उबालकर खाने का सोचा है, अगर नहीं तो अब सोच लेना चाहिए। केला और उसका पानी पोषण से भरपूर होते हैं, और इसे रात को साने से पहले पीने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं। यह नुस्खा विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नींद से संबंधित समस्याओं, पाचन, या तनाव से जूझ रहे हैं। आइए इसके फायदे और इसके उपयोग के बारे में जानते हैं।

उबले केले के पानी के फायदे

बेहतर नींद के लिए फायदेमंदः केले में मौजूद मैग्नीशियम और पोटैशियम मांसपेशियों को आराम देते हैं और बेहतर नींद में मदद करते हैं। यह शरीर में मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ाकर नींद की गुणवत्ता को सुधारता है।

पाचन को बेहतर बनाता हैः केले का पानी पाचन तंत्र को शांत करता है और कब्ज को दूर करने में मदद करता है। फाइबर युक्त यह पेय आंतों की सेहत में सुधार करता है।

तनाव और चिंता कम करता हैः केले में मौजूद ट्रिप्टोफैन एक अमीनो एसिड है, जो सेरोटोनिन (खुशी का हार्मोन) का उत्पादन बढ़ाता है। यह मानसिक तनाव को कम करके मूड को बेहतर करता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता हैः पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित करने और दिल की सेहत में सुधार करने में सहायक है।

इम्यूनिटी को मजबूत करता हैः केले में विटामिन बी6 और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा की सेहत में सुधारः केले का पानी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो त्वचा को चमकदार और हेल्दी बनाता है।

उबले केले का पानी बनाने की विधि

- एक पके हुए केले को धोकर छिलके के साथ टुकड़ों में काट लें।
-एक पैन में पानी लें और उसमें कटे केले डालें।
-इसे 10-15 मिनट तक उबालें।
-पानी को छान लें और इसे हल्का ठंडा होने दें।
-स्वाद के लिए शहद या दालचीनी मिला सकते हैं।

नियमित रूप से उपयोग करने के सुझाव

रात को सोने से 30 मिनट पहले इस पानी का सेवन करें। अधिकतम लाभ पाने के लिए इसे रोजाना पीने की आदत बनाएं। यदि आप किसी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, तो इसे पीने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। उबले केले का पानी स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय है। यह नींद में सुधार, तनाव को कम करने, और पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप बेहतर स्वास्थ्य पा सकते हैं।

उत्तराखंड में है मालदीव जैसी जगह, सस्ते में झील में तैरती झोपड़ियों में रहने का लें मजा

मालदीव की खूबसूरती तस्वीरों में देखकर यहां जाने की इच्छा होना लाजमी है, लेकिन मालदीव की सैर बजट से बाहर हो सकती है। ऐसे में अगर भारत में ही मालदीव जैसी जगह मिल जाए तो पैसा और समय दोनों बचेंगे, साथ ही मालदीव के मजे भी मिल जाएंगे। ऐसी ही एक जगह उत्तराखंड में है, जिसे मिनी मालदीव के नाम से जाना जाता है। उत्तराखंड के टिहरी बांध पर बने फ्लोटिंग हट्स को उत्तराखंड का मिली मालदीव कहा जाता है क्योंकि ये हट्स पानी के ऊपर तैरते हैं, जैसा कि मालदीव के प्रसिद्ध वाटर विला होते हैं। ये हट्स पर्यटन के लिए एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं, जहां आप पानी के ठीक ऊपर रहते हैं और सुंदर झील के दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

कैसे पहुंचें

टिहरी बांध, उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिए हवाई मार्ग, ट्रेन व सड़क मार्ग तीनों की सुविधा मिलती है।

हवाई मार्ग

इस स्थान से निकटतम हवाई अड्डा देहरादून में है, जो टिहरी से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर है। एयरपोर्ट से टैक्सी या कैब या बस द्वारा टिहरी तक पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है, जो टिहरी से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर है। ऋषिकेश से आप बस या टैक्सी द्वारा टिहरी तक पहुँच सकते हैं। इसी तरह सड़क मार्ग के जरिए आप देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और अन्य शहरों से बस या निजी वाहन से टिहरी बांध पहुंच सकते हैं।

मिनी मालदीव का खर्च

फ्लोटिंग हट्स में रहने का खर्च कई यात्रा का समय, हट के प्रकार और मिलने वाली सुविधाओं पर निर्भर रहता है। औसतन, फ्लोटिंग हट्स का प्रतिदिन का खर्च लगभग 10,000 से 20,000 तक हो सकता है। इसके अतिरिक्त खाने-पीने, अन्य एक्टिविटी और परिवहन का खर्च भी जुड़ जाएगा। मालदीव की सैर के लिए जहां आपको लाखों रुपये खर्च करने पड सकते हैं, वहीं मिनी मालदीव में आप आधे से भी कम पैसों में छुट्टियां मना सकते हैं।

मिनी मालदीव की खासियत

इस जगह का मुख्य आकर्षण है फ्लोटिंग हट्स में रहना। झील के बीचो-बीच बने इन हट्स में रहना एक अनोखा अनुभव है।

यहां आप वाटर स्पोर्ट्स का लुत्फ भी उठा सकते हैं। टिहरी झील में बोटिंग, जेट स्कीइंग, कयाकिंग, और अन्य वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं।

इस खूबसूरत जगह की प्राकृतिक सौंदर्यता के बीच अपने परिवार या पार्टनर के साथ वक्त बिताना बेहतर विकल्प हो सकता है। यहाँ का मनोहारी दृश्य और शांत वातावरण मन को मोह लेता है।

सुझाव

अपनी यात्रा को पहले से बुक करें, विशेषकर पीक सीजन में।

वाटर स्पोर्ट्स और अन्य गतिविधियों के लिए आवश्यक सामान साथ रखें।

मौसम के अनुसार कपड़े और अन्य आवश्यक चीजें साथ रखें।

उत्तराखंड का टिहरी बांध और यहाँ के फ्लोटिंग हट्स वास्तव में एक अनोखा पर्यटन स्थल हैं, जो आपके यात्रा अनुभव को अविस्मरणीय बना सकते हैं।

बाल कंघी करते समय की गई इन गलतियों से बढ़ता है गंजापन, आप भी संभल जाइए

क्या आपके बाल भी लगातार झड़ रहे हैं ?, क्या आपके बाल झाड़ू की तरह डल और रूखे दिखने लगे हैं ? अगर हां तो आपको संभलने की जरूरत है। दरअसल, बालों का झड़ना और इनकी चमक खोना आज के समय में काफी आम समस्या हो गई है। इस समस्या के समाधान के लिए बाजार में कई हेयर केयर प्रोडक्ट मिलने लगे हैं। इसके अलावा तमाम तरह के हेयर केयर ट्रीटमेंट भी किए जाते हैं, लेकिन कई बार से सब चीजें कोई लाभ नहीं पहुंचाती। ऐसा इसलिए क्योंकि अक्सर बाल झड़ने और रूखेपन का कारण कुछ और नहीं बल्कि गलत तरह से कंघी करना होता है। सुन के अजीब लगा ना लेकिन ये सच है। यदि आप बालों में कंघी करते समय कुछ गलतियां करेंगे तो आपके बाल झाड़ू की तरह दिखने लगेंगे। इसके साथ-साथ बालों का झड़ना कभी बंद नहीं होगा, भले ही आप कितने भी प्रोडक्ट इस्तेमाल कर लें। यहां हम आपको इन्हीं गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गीले बालों में कंघी करना

अक्सर लोग जल्दबाजी के चक्कर में गीले बालों में ही कंघी करने लगते हैं। ऐसा करने से बाल झड़ने से लेकर बालों में दोमुंहे होने की समस्या बढ़ सकती है। अगर कंघी करनी जरूरी हो, तो चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें, ताकि ये ज्यादा उलझें नहीं। **खराब कंघी इस्तेमाल करना**

ज्यादातर लोगों को ये कहते सुना जाता है कि कंघी को कहीं से भी खरीद लो, इसकी क्वालिटी से कोई फर्क नहीं पड़ता। जबकि ऐसा नहीं है। खराब कंघी बालों में रगड़ पैदा करती है, जिससे बाल टूट सकते हैं। हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाली और चिकनी कंघी का चयन करें। आजकल नीम की लकड़ी वाली कंघी काफी चलन में है।

जड़ों से कंघी करना

ये सबसे गलत तरीका होता है। बाल कंघी करने के लिए सबसे पहले बालों के सिरे को सुलझाना चाहिए। सिरों को सुलझाने के बाद ही धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ें, इससे बाल सही से सुलझते हैं।

बालों पर जोर आजमाना

कंघी करते वक्त यदि बाल हल्के से भी उलझते हैं तो लोग उसपर जोर आजमाने लगते हैं। जबकि बालों में उलझन होने पर जोर से कंघी करना बालों को कमजोर कर सकता है। इसलिए हमेशा धैर्य से काम लें और हल्के हाथों से कंघी करें, इससे बाल टूटने से बचे रहेंगे।

बार-बार कंघी करना

ज्यादातर लोग अपने साथ हमेशा कंघी लेकर चलते हैं, ताकि वो बार-बार अपने बालों को सुलझा सकें। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। बहुत बार कंघी करना भी बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। यह बालों के प्राकृतिक तेल को हटाकर उन्हें सूखा और कमजोर बना सकता है।

कंघी का साफ न होना

गंदगी और धूल से भरी कंघी से बालों में संक्रमण हो सकता है और डैंड्रफ की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अपनी कंघी को नियमित रूप से साफ करें। इसपर थोड़ी सी गंदगी भी जमा नहीं होनी चाहिए।

कई देशों में फैला 'आंख से खून' आने वाला ये घातक रोग

50■ संक्रमितों की हो जाती है मौत

हालिया रिपोर्ट्स में दुनियाभर में एक और बढ़ते संक्रमण को लेकर चिंता जताई गई है। कई अफ्रीकी देशों में मारबर्ग वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। मारबर्ग को 'ब्लीडिंग आई डिजीज' के नाम से भी जाना जाता है, इस संक्रमण के कारण अब तक 15 से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में दुनियाभर में संक्रामक रोगों के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। साल 2019 के अंत में शुरू हुए कोरोनावायरस संक्रमण के बाद मंकीपॉक्स, इबोला, स्वाइन फ्लू और बर्ड फ्लू ने स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाया। हालिया रिपोर्ट्स में एक और बढ़ते संक्रमण को लेकर चिंता जताई गई है। खबरों के मुताबिक कई अफ्रीकी देशों में मारबर्ग वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। मारबर्ग को 'ब्लीडिंग आई डिजीज' के नाम से भी जाना जाता है, इस वायरस से संक्रमण के कारण अब तक 15 से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है। पिछले दो महीनों में ये वायरस 17 से अधिक अफ्रीकी देशों में फैल चुका है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दुनियाभर के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी इस घातक वायरस के प्रसार पर नजर रख रहे हैं और सभी लोगों को संक्रमण से बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी गई है। ये वायरस पहले भी फैलता रहा है हालांकि इस बार एक नया स्ट्रेन सामने आया है जिसने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। इसके एक से दूसरे व्यक्ति में तेजी से प्रसार और घातक लक्षण पैदा करने की खबरें सामने आ रही हैं। संक्रमण की चपेट में आए आधे से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

पहले भी देखा गया है इसका प्रकोप

ऐसा नहीं है कि मारबर्ग पहली बार स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रहा है। साल 2003 से लेकर समय-समय पर इसका प्रकोप देखा जाता रहा है। फरवरी 2023 में इक्वेटोरियल गिनी में इस वायरस के

कारण 16 लोगों में संक्रमण और 12 मौतें हुई थीं। साल 2012 में यूगांडा में 15 लोगों को संक्रमित पाया गया और चार लोगों की मौत हुई। नियमित अंतराल पर वायरस में म्यूटेशन और इसके कारण संक्रमण बढ़ने के मामले सामने आते रहे हैं। इस रोग के विशिष्ट लक्षणों में से एक है- आंखों से खून आना है और इसलिए इसे ब्लीडिंग आई डिजीज भी कहा जाता है।

कोरोना से भी खतरनाक है इसका संक्रमण

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, मारबर्ग वायरस डिजीज (एमबीडी) का जोखिम उन लोगों में अधिक देखा जाता रहा है जो लंबे समय तक खदानों या गुफाओं में रहते हैं। इन स्थानों पर चमगादड़ों का निवास होता है जिसे इस वायरस के प्रमुख स्त्रोत माना जाता है। कुछ रिपोर्ट्स कहते हैं, कोरोना और हाल फिलहाल में फैले कई अन्य संक्रामक रोगों की तुलना में मारबर्ग वायरस अधिक खतरनाक है। मारबर्ग आमतौर पर जानलेवा होता है, इसका औसत मृत्यु दर लगभग 50% है। कोविड-19 के कारण फिलहाल मृत्यु का खतरा 2.7 से 4 प्रतिशत के बीच रहा है। कोविड-19 से बचाव के लिए टीके और सहायक उपचार उपलब्ध हैं हालांकि मारबर्ग वायरस के लिए कोई भी वैक्सीन या विशिष्ट उपचार नहीं है।

मारबर्ग वायरस डिजीज के बारे में जानिए

मारबर्ग वायरस के कारण होने वाले रोग को काफी घातक माना जाता है। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इसका प्रकोप होता रहा है। संक्रमित चमगादड़ों के माध्यम से या संक्रमित व्यक्ति के शिकार के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से इसके फैलने का खतरा रहता है। इसके कारण रक्तस्त्राव के मामले अधिक देखे जाते रहे हैं। चूंकि ये वायरस रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है इस वजह से रक्तस्राव होने और जान जाने का खतरा अधिक रहता है।

मारबर्ग वायरस डिजीज के लक्षण और बचाव

एमबीडी को आमतौर पर दुर्लभ माना जाता रहा है। संक्रमण की शुरूआत में बुखार, ठंड लगने, तेज सिरदर्द, खांसी, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द जैसी दिक्कतें होती हैं। वहीं इसके गंभीर चरणों में पेट या सीने में दर्द, उल्टी-दस्त, मल में खून आने के अलावा नाक, मुंह, आंखों से खून आने की दिक्कतें देखी जाती रही हैं। मारबर्ग वायरस संक्रमित मनुष्यों या जानवरों के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है। प्रकोप को रोकने के लिए संक्रमितों को आइसोलेशन में रखा जाता है। एमबीडी से बचे रहने के लिए रोगियों के निकट संपर्क में आने से बचने, हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है।

तापसी पन्नू ने शाहरुख खान से सीखा सबसे बड़ा मार्केटिंग लेसन

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने अपनी एक्टिंग और बेबाक अंदाज के कारण इंडस्ट्री में एक खास पहचान बनाई है। वह अक्सर अपने बिंदास स्टेटमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में, तापसी ने शाहरुख खान को लेकर एक बड़ी बात कही, जिससे उनके फैंस भी हैरान हो गए। तापसी ने खुलासा किया कि अगर उन्होंने अपनी लाइफ में सबसे बड़ा मार्केटिंग लेसन किसी से सीखा है, तो वह शाहरुख खान से ही लिया है। शाहरुख खान की यह सीख उनकी कई परेशानियों का हल बन गई। तापसी ने बताया कि शाहरुख खान ने उन्हें यह समझाया था कि कैसे एक एक्टर को अपनी मार्केटिंग और प्रमोशन के तरीके को सही तरह से देखना चाहिए। तापसी ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और एक्टर के बीच की तुलना पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स और एक्टर्स की तुलना करते हैं। उनका नजरिया अब सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के बारे में बदल चुका है। वह अब उन्हें सिर्फ एक मार्केटिंग टूल या प्रमोशन का माध्यम मानती हैं, क्योंकि आखिरकार यह सोचने की बात है कि कोई चीज किस तरह से देखी जाती है। तापसी ने कहा, आप इसे किसी दूसरे नजरिए से देखते हैं, और मैं इसे अलग तरीके से देखती हूं।ष्वह मानती हैं कि एक्टर्स पर ज्यादा जिम्मेदारी होती है, क्योंकि उन पर हमेशा यह दबाव होता है कि वे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। लोग जानते हैं कि उनके पास बड़ी फैन फॉलोइंग है, इसलिए उन्हें अपने कदम बहुत सोच-समझ कर उठाने पड़ते हैं। लेकिन क्या सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स पर ये सारी जिम्मेदारियां नहीं आ सकतीं, जिनकी भी सोशल मीडिया पर अच्छी फॉलोइंग है? तापसी के अनुसार, कम से कम इंफ्लूंसर्स अपने फॉलोअर्स से सच्चे और ईमानदार रह सकते हैं। तापसी ने बताया कि शाहरुख खान ने उनसे कहा था कि पहले के समय में बिलबोर्ड्स का इस्तेमाल फिल्मों की मार्केटिंग के लिए किया जाता था, लेकिन अब सोशल मीडिया और इंफ्लूएंसर्स का उपयोग फिल्मों के प्रमोशन के लिए किया जाता है। शाहरुख ने कहा, इन्हें सिर्फ एक मार्केटिंग टूल की तरह देखो, जिनका काम फिल्म को प्रमोट करना है। इन पर कोई जिम्मेदारी मत डालो, क्योंकि ये वही काम कर रहे हैं जो मार्केट में बेचने के लिए तैयार है।ष तापसी के हालिया प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो उन्हें हाल ही में अक्षय कुमार के साथ खेल खेल में फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म में तापसी पंजाबी एक्टर और सिंगर एमी वर्क के साथ नजर आई थीं। इसके बाद, वह हसीन दिलरुबा फिल्म के सीक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा में विक्रांत मैसी और सनी कौशल के साथ नजर आने वाली हैं। तापसी का यह बयान और उनके द्वारा शाहरुख खान से सीखा गया लेसन उनके प्रोफेशनलिज्म और सोशल मीडिया के प्रति सकारात्मक नजरिए को दिखाता है, जो आजकल की फिल्म इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण दिशा दिखाता है।

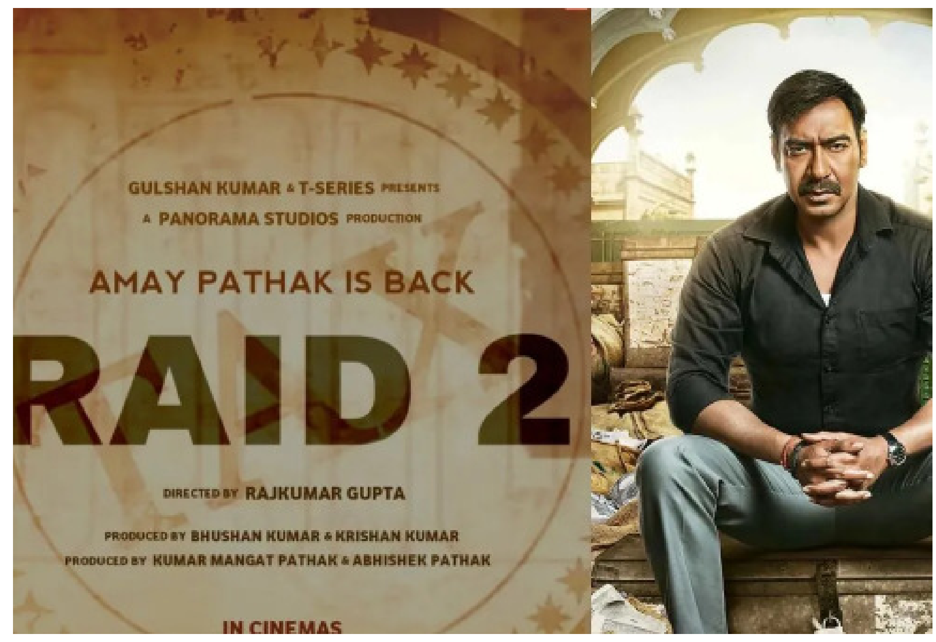

नए मिशन पर अजय देवगन, रेड 2 की रिलीज डेट आई सामने

शैतान के बाद वसेर्टाइल अभिनेता अजय देवगन नए मिशन पर निकलने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर रेड 2 का नया पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट अनाउंस की। इंस्टाग्राम पर रेड 2 का पोस्टर शेयर कर अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा, अमय पटनायक का अगला मिशन मई 2025 से शुरू होगा! रेड 2 1 मई 2025 को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है!ह्व मोस्टअवेटेड फिल्म रेड 2 की रिलीज को लेकर लेटेस्ट पोस्टर ने फैंस को एक्साइट कर दिया है। जानकारी के अनुसार अपकमिंग फिल्म में अजय देवगन के साथ रितेष देशमुख, वाणी कपूर, सौरभ शुक्ला, वरुण शर्मा, अरबाज खान के साथ अन्य स्टार्स अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन करने के लिए राज कुमार गुप्ता तैयार हैं। फिल्म की कहानी राज कुमार गुप्ता के साथ आदित्य बेलनेकर, रितेश शाह ने लिखी है। रितेश शाह पिंक और एयरलिफ्ट की कहानी भी लिख चुके हैं। रेड 2 साल 2018 में रिलीज हुई क्राइम-थ्रिलर रेड की सीक्वल है। फिल्म रेड का निर्देशन भी राजकुमार गुप्ता ने किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। फिल्म में अजय देवगन के साथ इलियाना डीक्रूज, सानंद वर्मा और सौरभ शुक्ला अहम रोल में थे। फिल्म में अजय देवगन एक इनकम टैक्स ऑफिसर की भूमिका में थे, जिसका नाम अमय पटनायक रहता है। वहीं, सौरभ शुक्ला ताउजी की भूमिका में रहते हैं। इनकम टैक्स रेड पर बनी फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

आप सबसे मजबूत महिला...मम्मी संग प्रीति जिंटा ने बिताया क्वालिटी टाइम, मां-बेटी की तस्वीरों ने जीता दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी परिवार संग बिताए लम्हों को शेयर करती रहती हैं। हाल ही में प्रीति जिंटा ने निलप्रभा जिंटा के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की। दरअसल, प्रीति जिंटा को थैंक्सगिविंग वीकेंड पर अपनी मां नीलप्रभा जिंटा से फिर से मिलने का अवसर मिला।इस खास मौके पर उन्हें अपनी छोटी

यात्राओं की बिजी होने के बावजूद एक साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिला। प्रीति अपने बिजी शेड्यूल से कुछ पल के लिए बाहर निकल पाईं और अपने परिवार के साथ मिलकर सुकून और खुशी पाई। इन तस्वीरों के साथ प्रीति ने मां को बर्थडे की बधाई भी दी। एक तस्वीर में प्रीति को मां के गालों पर ।पे करते देखा जा सकता है। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने लिखा-दुनिया भर में छोटी यात्राएँ बहुत व्यस्त और तनावपूर्ण होती हैं। इस थैंक्सगिविंग वीकेंड ने मुझे एहसास दिलाया कि असली दौलत तब होती है जब आपके पास परिवार होता है जो आप सच में प्यार करते हैं। मैं सबसे अच्छी माँ और सबसे अच्छे परिवार के लिए ग्लैक्सी की बहुत आभारी हूं। जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं मां। आप सबसे मजबूत महिला हैं जिन्हें मैं जानती हूं और सबसे प्यारी हैं।

सिंगल स्क्रीन प्रदर्शकों से 60% रेवेन्यू मांग रहे थे वितरक, मांग खारिज, रिलीज के बाद तय होंगी शर्तें

पुष्पा 2 द रूल को लेकर अब वितरक और प्रदर्शकों ने सिंगल स्क्रीन में टिकटों की बिक्री से होने वाली आय में 60% हिस्सेदारी की मांग की है। जानिए ऐसा क्यों... पुष्पा2 द रूल को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल बना हुआ है। मूल तेलुगु संस्करण से लेकर हिंदी और तमिल संस्करणों को भी प्रशसंकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। लेकिन अब वितरक और प्रदर्शकों ने सिंगल स्क्रीन में टिकटों की बिक्री से होने वाली आय में 60% हिस्सेदारी की मांग की है। क्योंकि उन्हें लगता है कि पुष्पा 2 द्वारा उनकी यह डिमांड सही है मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंदी भाषी बाजारों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के सभी प्रदर्शकों ने इस विचार को पूरी तरह से खारिज कर दिया। वितरकों ने समझाने की कोशिश की लेकिन प्रदर्शक इस बात पर अड़े रहे कि ऐसी शर्तें स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि 50% रेवेन्यू साझा करना आदर्श है और यहां तक कि सिंघम

अगेन और भूल भुलैया 3 जैसी हाल की बड़ी फिल्मों ने भी इसका पालन किया है। प्रदर्शकों का कहना है कि अभी तक, दोनों पक्ष आम सहमति पर नहीं पहुंच पाए हैं। स्टूडियो ने 60% रेवेन्यू के विचार को छोड़ दिया है और 50-55% की सीमा में रेवेन्यू साझा करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने प्रदर्शकों से कहा है कि अगर पुष्पा 2 द रूल हिंदी में एक सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर बनने में कामयाब हो जाती है, तो वे 55% हिस्सेदारी मांगेंगे। नहीं तो वे 55 के आंकड़े से कम हिस्सेदारी का अनुरोध करेंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर के कुछ सर्किटों में वितरक ने ऐसी कोई मांग नहीं की है। साथ ही, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में 55% रेवेन्यू बंटवारे पर समझौता हुआ है। इस बीच, पुष्पा 2 द रूल के निमार्ताओं को तमिलनाडु में भी इसी तरह की मांग करने पर समस्याओं का सामना करना पड़ा। चेन्नई में श्री शक्ति सिनेमा, एस2 सिनेमा, एजीएस सिनेमा, बाबा सिनेमा, रोहिणी, ईगा सिनेमा आदि जैसे कई सिनेमाघरों ने अभी भी बुकिंग शुरू नहीं की है। कोयंबटूर में लोकप्रिय ब्रॉडवे सिनेमा ने भी कल रात तक टिकट बेचना शुरू नहीं किया था। बुधवार, 4 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे बुकिंग शुरू हुई। दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद बाकी सिनेमाघरों के भी ऐसा करने की उम्मीद है। पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में अल्लू अर्जन के अलावा रश्मिका मंदाना, श्रीलीला, जबपति बाबू और फहद फासिल भी नजर आएंगे।

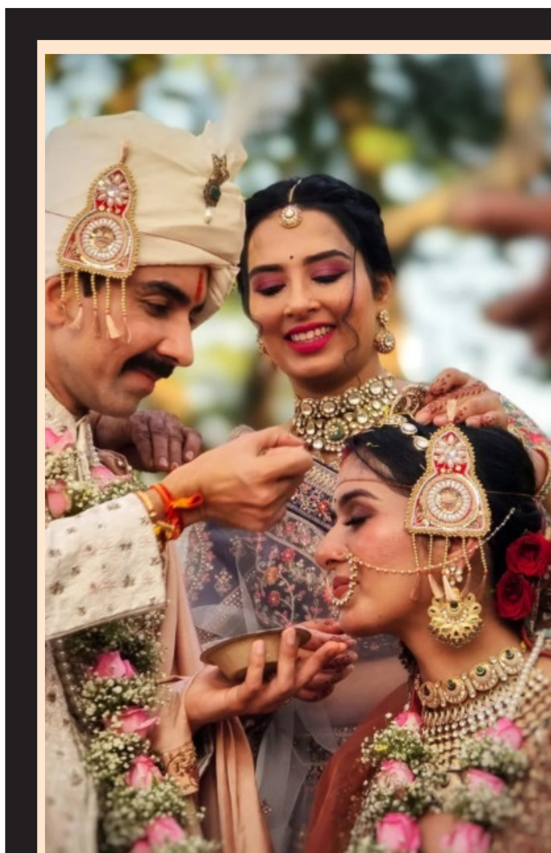

जीप की बोनट पर नाचते हुए बारात लेकर गए नवीन कस्तूरिया, पत्नी संग किया खूबसूरत डांस, सामने आई शादी की नई झलकियां

पिचर्स, ब्रीथ इनटू द शैडोज और एस्पिरेंट्स जैसी हिट वेब सीरीज के लिए जाने जाने वाले एक्टर नवीन कस्तूरिया सिंगल से मिंगल हो गए हैं। एक्टर ने चट मंगनी पट ब्याह कर लिया है। न हल्दी, न मेहंदी..सीधे शादी की तस्वीरें शेयर कर नवीन ने सबको सरप्राइज दिया। फैंस उन्हें शादी के लिए खूब बधाइयां दे रहे हैं। वहीं, एक्टर अमोल पराशर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर नवीन की शादी की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। नवीन ने पत्नी शुभांजलि के साथ शादी की दो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें एक तस्वीर में वह अपनी दुल्हन की मांग में सिंदूर भरते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर उनकी शादी के फेरों की है। उनके अलवा अमोल पराशर ने नवीन की शादी की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं, जिसमें पहली फोटो में कपल पूजा करता नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में दूल्हे को सेल्फी के लिए पोज देते देखा जा सकता है। शारिब हाशमी, नमिता दुबे और सनी हिंदुजा भी इस समारोह में उनके साथ नजर आ रहे हैं। वहीं एक वीडियो में नवीन दूल्हा बन अपनी शादी में मस्त होकर डांस कर रहे हैं। एक अन्य वीडियो में कपल को पॉपुलर सॉन्ग चुम्मा चुम्मा पर नाचते हुए देखा जा सकता है। एक्टर की शादी की ये तस्वीरें इंटरेट पर आग की तरह वायरल हो रही हैं।

नागा चैतन्य की शादी से कुछ घंटे पहले सामंथा ने किया ऐसा पोस्ट

सोशल मीडिया पर खूब हो रही चर्चा

नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला की शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस बीच अभिनेता की पूर्व पत्नी सामंथा रुथ प्रभु ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से महिलाओं एक संदेश दिया है, जिसकी चर्चा खूब हो रही है। अभिनेत्री सामंथा ने पूर्व पति नागा चैतन्य और अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला की शादी से कुछ घंटे पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है, जिसकी चर्चा खूब हो रही है। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में एक छोटी लड़की को कुश्ती के मुकाबले में लड़के को हराते हुए दिखाया गया है। सामंथा ने इस वीडियो में हैशटैग टैग के माध्यम से संदेश दिया कि लड़कियां भी किसी से कम नहीं हैं। ऐसे हुई थी नागा चैतन्य-शोभिता की पहली मुलाकात नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला की शादी 4 दिसंबर को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियोज में होने जा रही है। यह स्टूडियो 1976 में नागा चैतन्य के दादा और और अभिनेता अक्किनेनी नागेश्वर राव ने स्थापित किया गया था। नागार्जुन ने हाल ही में कहा था कि वह शोभिता के अभिनय से प्रभावित थे और साल 2018 में फिल्म गुडाचारी में उनकी भूमिका को सराहा था। इसके बाद शोभिता को हैदराबाद अपने घर बुलाया गया था, जहां चैतन्य और शोभिता की पहली मुलाकात हुई थी। शादी में 'पंचा' पहनेंगे दूल्हे राजा नागा चैतन्य की बात करें तो अपनी शादी में वह पारंपरिक परिधान 'पंचा' पहनेंगे, जो उनके दादा की शैली का प्रतीक है। इस पर उनके प्रशंसक सोशल मीडिया पर उन्हें उनकी सादगी और जमीन से जुड़े होने के लिए सराह भी रहे हैं। शोभिता ने चुनी खास साड़ी शादी की एक और खास बात यह है कि शोभिता ने अपनी शादी के लिए एक कांजीवरम रेशमी साड़ी चुनी है, जिसमें असली सोने की जरी है। इसके अलावा, उन्होंने सफेद खादी साड़ी भी चुनी है जो पोंडुरु, आंध्र प्रदेश में हाथ से बुनी गई है। शादी की रस्में अन्नपूर्णा स्टूडियोज में आठ घंटे तक चलने वाली हैं।

योगी का मास्टरप्लान, रोजगार पर फोकस

बुंदेलखंड और पूर्वांचल के विकास के साथ ही युवाओं को मिलेगी नौकरी और रोजगार

लखनऊ। बुंदेलखंड और पूर्वांचल को उत्तर प्रदेश के सबसे पिछड़े इलाकों के तौर पर देखा जाता था लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। सीएम योगी की सरकार ने पूर्वांचल और बुंदेलखंड में विकास के लिए कई प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू किया है। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। बुंदेलखंड को सोलर एनर्जी का हब बनने के साथ डिफेंस कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। सरकार नोएडा से भी बड़ा औद्योगिक कॉरिडोर बुंदेलखंड में बनाने जा रही है।बुंदेलखंड और पूर्वांचल को लेकर प्रदेश की सरकार की जो योजना है, उससे इन इलाकों में नौकरियों की बरसात तय है। इन इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर बनाने पर भी काम हुआ है। अब बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को चित्रकूट से लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए जोड़ने की योजना है।मुख्यमंत्री ने 13 अरब रुपए की मंजूरी दी है। इस योजना के अमल में आने से न केवल बुंदेलखंड की तस्वीर बदलेगी बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। सरकार की योजना कानपुर और झांसी के बीच 36 हजार एकड़ में नोएडा से भी बड़ा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बीडा यानि बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण बनाने की है। इस प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू है।सरकार की पिछली कई योजनाएं बताती हैं कि यूपी के हर इलाके में काम हो रहा है।गोरखपुर के दक्षिणांचल में धुरियापार के आसपास जहां खेती मुश्किल काम है, वहां सरकार एक नई इंडस्ट्रियल सिटी बना रही है। इसके पूरा होने पर गोरखपुर को फायदा होगा। इंडस्ट्रियल सिटी के अस्तित्व में आने से यूपी का यह शहर पटना और काठमांडू के बीच निवेश का सबसे बड़ा हब बन सकता है।

अखिलेश और राहुल दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति कर रहे, केशव मौर्य ने कसा तंज

लखनऊ। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के संभल दौरे को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करार देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव

और राहुल गांधी दोनों ही नौटंकी कर रहे हैं। मौर्य ने संवाददाताओं से कहा कि अखिलेश और राहुल दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। वे नौटंकी कर रहे हैं। सपा और कांग्रेस का पतन निश्चित है। सपा ह्रासमाप्तवादी पार्टीश बन जाएगी और कांग्रेस मुक्त भारत होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मौर्य ने आरोप लगाया कि ये दोनों ही पार्टियां माहौल खराब करना चाहती हैं। संभल में हुई हिंसा सपा विधायक और सांसद की रंजिश का नतीजा है। संभल हिंसा के दौरान पाकिस्तान निर्मित कारतूस का इस्तेमाल किये जाने के प्रशासन के दावे के बारे में पूछे जाने पर मौर्य ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मामले की स्वतंत्र जांच की जा रही है और विपक्ष को संभल में शांति बनाए रखने में सरकार का साथ देना चाहिए। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि वह (विपक्ष) शांति बहाल होने के बाद वहां जाएं और वलीमा करें।

लखनऊ में आज जुटेंगे 5000 से अधिक कार्डियोलॉजिस्ट, हार्ट डिजीज की नवीन तकनीक पर करेंगे चर्चा

लखनऊ। हृदय रोग विशेषज्ञों की सबसे बड़ी कांफ्रेंस कार्डियो लॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया के 76 वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन लखनऊ के इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान में किया जा रहा है। 5 दिसंबर से शुरू होने वाली इस चार दिवसीय सम्मेलन का आयोजन इस बार उत्तर प्रदेश चौप्टर ऑफ कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया व संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान सयुक्त रूप से कर रहा है। सम्मेलन के मुख्य आयोजनकर्ता संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. सत्येन्द्र तिवारी ने बताया कि चार दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में देश-विदेश के कई प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। हृदय रोग से संबंधित सभी नवीनतम जानकारियाँ इस सम्मेलन में इन विशेषज्ञों द्वारा साझा की जायेंगी। देश के लगभग पाँच हजार हृदय रोग विशेषज्ञ इस सम्मेलन से लाभान्वित होंगे। खासतौर से युवा हृदय रोग विशेषज्ञ वरिष्ठ चिकित्सकों से आधुनिक इंटरवेंशन तकनीकों व नई चिकित्सा विधियों के बारे में ज्ञान अर्जित करेंगे। एसजीपीजीआई स्थित हृदय रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आदित्य कपूर ने बताया कि हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि चालीस वर्ष से कम उम्र के युवा हार्ट अटैक की वजह से असमय कम उम्र पर खत्म हो रहें है। इस सम्मेलन में इस विषय पर भी विस्तार से चर्चा की जायेगी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इटली, ब्रिटेन, स्पेन, नेपाल व कई यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए लखनऊ पहुँच चुके हैं। दक्षिण भारत से आए अनेक प्रतिभागी चिकित्सीय ज्ञान के अलावा नवनिर्मित राम मंदिर को देखने के लिए भी उत्सुक दिखे। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों डा. रूपाली खन्ना, डा. अवधेश शर्मा डा. अंकित साहू ने बताया कि इस सम्मेलन का आयोजन प्रदेश के सामान्य जनमानस के अंदर हम रोगों के प्रति जागरूकता पैदा करेगा व प्रदेश के चिकित्सकों को हृदय रोगों की आधुनिक जानकारी से परिचित करायेगा।

श्रावस्ती और बटेश्वर में होगा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का विकास

लखनऊ। पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख स्थलों श्रावस्ती और बटेश्वर, को विश्व स्तरीय पर्यटन गंतव्यों में बदलने की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की घोषणा की है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करते हुए रोजगार के अवसर बढ़ाना और क्षेत्रीय विकास को गति देना है। उत्तर प्रदेश के देवीपाटन मंडल में श्रावस्ती बौद्ध धर्म का पवित्र स्थल है, जहां भगवान बुद्ध ने 25 वर्षा ऋतुएं जेतवन मठ में बिताई थीं। इस ऐतिहासिक स्थल को समृद्ध बनाने के लिए 80.24 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास परियोजना प्रारंभ की गई है।परियोजना में प्रवेश द्वार, इंटरप्रिटेशन सेंटर, भूनिर्माण, सड़क सौंदर्यीकरण, पार्किंग, छात्रावास और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके माध्यम से पर्यटकों को आधुनिक और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य है। परियोजना के जरिए 5,278 रोजगार अवसर सृजित होंगे। आगरा से 70 किमी दूर यमुना के तट पर बसे बटेश्वर को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में उभरने के लिए 74.05 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। बटेश्वर न केवल अपने 101 प्राचीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मस्थान भी है। परियोजना के तहत व्याख्या केंद्र, ध्यान क्षेत्र, वाटिका, नटराज प्रांगण, डिजिटल अनुभव, आभासी पर्यटन, और पर्यावरण-अनुकूल सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। नो प्लास्टिक जोनष जैसी योजनाओं के साथ, यह स्थल धार्मिक और साहसिक पर्यटन के लिए आदर्श गंतव्य बनेगा। यहां 11,519 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है।दोनों परियोजनाओं से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय समुदायों को रोजगार और आर्थिक प्रगति का अवसर प्राप्त होगा। पीपीपी मॉडल के तहत श्रावस्ती और बटेश्वर में क्रमशः 30 लाख रुपए और 317.57 करोड़ रुपए की निजी निवेश योजनाएं लागू होंगी।पर्यटन मंत्रालय के अनुसार ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

देहरी पूजन के लिये ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व आज मथुरा रवाना होगा जत्था

लखनऊ। आगामी छह दिसम्बर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा में होने वाली देहरी पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिये अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकताओं का जत्था कल पांच दिसम्बरे प्रातः 11 बजे कर्सी रोड स्थित पार्टी मुख्यालय से रवाना होगा। आज यहां पार्टी मुख्यालय में पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देहरी पूजन कार्यक्रम की तैयारी को अन्तिम रूप देते हुये बताया कि पूजन के लिये रवाना होने वाले जत्थे में शामिल कार्यकर्ता के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कल प्रातः नौ बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचेगें जहां से गुरुवार की सुबह 11 बजे मथुरा के लिये रवाना होंगे। मालूम हो कि अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा सहित कई हिन्दुवादी संगठनों सहित साधू संत यमुना जी का जल लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य द्वार की देहरी पुर जल अपर्ण कर श्रीकृष्ण जन्मभूमि को जल्द से जल्द मुक्त होने का संकल्प लेकर शौर्यदिवस मनायेगें। देहरी पूजन कार्यक्रम की तैयारी को लेकर ऋषि त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुयी बैठक में देहरी पूजन कार्यक्रम की जानकारी कार्यकताओं को विस्तार से दी गयी और कार्यकताओं से शान्तिपूर्ण ढंग से देहरी पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया गया। आज हुयी इस बैठक में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला ने प्रदेश की सभी इकाईयों के पदाधिकारियों से मुथुरा पहुंचने के लिये आहवान किया। वहीं इस कार्यक्रम की तैयारी में जुट्टी मथुरा जिला इकाई की जिलाध्यक्ष छाया गौतम की सराहना की।

वोटों की फसल काटने संभल जा रहे थे राहुल, विपक्ष पर जमकर बरसे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी संभल हिंसा के पीड़ित परिवारों से मिलने संभल जाने वाले थे। लेकिन प्रशासन की ओर से इसकी अनुमति न मिलने पर वह दिल्ली वापस लौट गए। इस पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी वोटों की फसल काटने के लिए संभल जाना चाहते हैं। उन्हें प्रदेश के अमन-चौन से कोई मतलब नहीं है। वह सिर्फ अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। राहुल गांधी के संभल दौरे पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि राहुल गांधी वोटों की फसल काटने के लिए संभल जाना चाहते हैं। अखिलेश यादव तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। दोनों ही नेताओं को प्रदेश के अमन-चौन से कोई लेना-देना नहीं है। वे सिर्फ अपनी राजनीति चमका कर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बिगाड़ना चाहते हैं। जनता भी उनका असली आचरण जानती है।डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि संभल में धारा 144 लागू है। दोनों ही नेताओं से अनुरोध है कि वे प्रदेश की कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ न करें। आज का उत्तर प्रदेश विकसित राज्य होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। दोनों नेताओं को यह पच नहीं रहा है। जब संभल में पूरी तरह से शांति हो जाए, तब दोनों नेता जाएं और जनता से भेंट करें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि संभल के अपराधी विपक्षी पार्टी से जुड़े हैं। प्रदेश की जनता सपा और उनके नेताओं को कभी नहीं बख्शेगी। उन्होंने बताया कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। सपा और कांग्रेस के नेता प्रदेश के आमजन की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते हैं। आग में घी डालने के लिए संभल जाना चाहते हैं। उन्हें प्रदेश के अमन से कोई मतलब नहीं है सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। भाजपा की प्राथमिकता प्रदेश की 25 करोड़ जनता है। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज है। कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

संभल में प्रशासन ने जो कुछ भी किया है, वो बीजेपी के निर्देश पर किया, अखिलेश ने योगी पर फिर कसा तंज

लखनऊ। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने को गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संभल मामले बीजेपी सरकार क्या छिपाना चाहती है? पहले दिन से ही समाजवादी पार्टी समेत सभी ने कहा है कि संभल प्रशासन ने जो कुछ भी किया है, वो बीजेपी के निर्देश पर किया है... वो किसी भी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। वो क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं? संभल जाने से पहले गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार हैं लेकिन उन्हें इसकी भी अनुमति नहीं दी जा रही है। साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें संभल जाने से रोका जाना लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके विशेष ाधिकारों का हनन है। संभल रवाना होने के बाद दिल्ली. गाजीपुर सीमा पर पुलिस द्वारा रोके जाने के पर राहुल ने संवाददाओं से कहा, हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, मगर पुलिस मना कर रही है। लोकसभा में नेता विपक्ष के नाते मेरा अधिकार बनता है कि मैं वहां जा सकता हूं। मगर तब भी वह मुझे रोक रहे हैं। यह

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के मेरे अधिकार के खिलाफ है। उन्होंने कहा, मैंने कहा है कि मैं अकेला जाने को तैयार हूं... पुलिस के साथ जाने को तैयार हूं मगर उन्होंने वह भी बात नहीं मानी और अब कह रहे हैं कि कुछ दिन बाद वह हमें जाने देंगे। राहुल ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, यह (संभल जाने से रोका जाना) लोकतंत्र के खिलाफ है। हम संभल जाकर देखना चाहते हैं कि वहां क्या हुआ। हम लोगों से मिलना चाहते हैं लेकिन मेरा जो संवैधानिक अधिकार है, मुझे उससे वंचित किया जा रहा है। यह संविधान को खत्म करने वाला हिंदुस्तान है। अंबेडकर जी के संविधान को खत्म करने वाला हिंदुस्तान है। मगर हम लड़ते रहेंगे। राहुल के साथ मौके पर मौजूद उनकी बहन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी राहुल को रोके जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, संभल में जो हुआ, वह गलत है। राहुल जी नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके संवैधानिक विशेषाधिकार हैं जो बाकी लोगों से अलग हैं। उनको रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, राहुल जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में संवैधानिक अधिकार मिला है। उन्हें पीड़ितों से मिलने जाने दिया जाए। हिंसा प्रभावित संभल में पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जा रहे राहुल गांधी को बुधवार को रास्ते में दिल्लीकृगाजीपुर सीमा पर रोक दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी, प्रियंका और अन्य वरिष्ठ नेता गाजीपुर सीमा पर पहुंचे। उनके काफिले को अवरोधक लगाकर रोक दिया गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने को बताया कि संभल में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (निषेधाज्ञा) संभल में 31 दिसंबर तक लागू रहेगी। इसके साथ ही, संभल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक शनिवार को खत्म हो रही थी जिसे जिला धिकारी ने बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल हिंसा प्रभावित संभल का दौरा करने के लिये रवाना हुआ था। संभल की एक अदालत ने 19 नवंबर को शहर के कोट पूर्वी मोहल्ले में स्थित मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था और उसी दिन एक टीम ने वहां का सर्वेक्षण किया था। तभी से विवाद पैदा हो गया था।

उसके बाद 24 नवंबर को दोबारा सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश उस याचिका पर दिया है जिसमें दावा किया गया है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद स्थित है वहां पहले कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था।

स्कूली बच्चों की मौज, छुट्टियों की भरमार

लखनऊ। साल का आखिरी महीना दिसंबर न सिर्फ सर्दी का प्रतीक है बल्कि बच्चों के लिए खुशियों भरा है। दिसंबर में क्रिसमस की छुट्टियाँ और नया साल सभी को बेसब्री से इंतजार करवाता है। उत्तर भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में इस महीने के आखिरी सप्ताह से स्कूलों में छुट्टियाँ शुरू हो जाती हैं। छुट्टियों को अक्सर मौसम की स्थिति के अनुसार तय किया जाता है और जिला प्रशासन द्वारा घोषणा की जाती है।दिसंबर के महीने में क्रिसमस की वजह से 25 दिसंबर को स्कूल बंद रहेंगे। रविवार के दिन भी स्कूल बंद रहते हैं, 1, 8, 15, 22 और 29 दिसंबर को बन्दी रहेगी। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में दिसंबर के अंत तक और उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी से 14 जनवरी तक स्कूल विंटर वेकेशन के लिए बंद रह सकते हैं। हर साल की तरह इस बार भी छुट्टियों की तारीखें पूरी तरह से मौसम और स्थानीय प्रशासन के निर्णयों पर निर्भर करती हैं।दिसंबर महीने में क्रिसमस के अलावा और भी कई त्योहार होते हैं। नव वर्ष का जश्न भी इसी महीने का खास मौका है। स्कूलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और बच्चों को इन त्योहारों की छुट्टी दी जाती है। त्योहारों के दौरान स्कूल बंद रहने की पूरी संभावना होती है। यह बच्चों के लिए उत्सव का समय होता है।

सेंट्रल बार एसोसिएशन का चुनाव 31 जनवरी को

लखनऊ। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के निर्देश पर सेंट्रल बार एसोसिएशन की एल्डर्स कमेटी ने वार्षिक चुनाव कराने की कवायद शुरू कर दी है। मंगलवार को इस संबंध में बैठक हुई। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन डीसी श्रीवास्तव और मुख्य चुनाव अधिकारी उमाशंकर श्रीवास्तव ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 31 जनवरी 2025 को मतदान होगा। एक फरवरी से मतों की गिनती होगी। आठ जनवरी को वैध मतदाताओं की सूची जारी की जाएगी। 9 व 10 जनवरी को सभी प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव कुमार गौड़ ने आदेश किया है कि एल्डर्स कमेटी 15 दिन के अंदर सेंट्रल बार का चुनाव करा ले। परिणाम से बार काउंसिल को भी अवगत कराया जाए। बार काउंसिल ने सेंट्रल बार के निवर्तमान अध्यक्ष और मंत्री को भी निर्देशित किया है कि वह चुनाव कराने में एल्डर्स कमेटी को सहयोग करें। वकीलों का वार्षिक चंदा जमा कराने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2024 है।

संक्षिप्त समाचार

दिसंबर में भी नहीं पड़ेगी ठंड, सामान्य से अधिक रहेगा तापमान

लखनऊ। शरद ऋतु का आगमन हो चुका है मगर ठंड का एहसास अभी हो नहीं रहा है। सुबह-शाम को हल्की ठंड और दोपहर में मौसम सुहावना हो रहा है। मौसम विभाग ने दिसंबर माह में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई है। नवंबर माह में केवल चार दिन ठंड का एहसास हुआ। हवा की बदली दिशा और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से कम रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दिसंबर माह में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम ही रहेगा। जिससे बारिश होने की संभावना कम है। साथ ही अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रह सकते हैं। दिसंबर माह में शीतलहर चलने की संभावना भी कम ही है। बुधवार सुबह से ही चटख धूप खिली थी। हवा पूर्व और दक्षिण दिशा से चलने के कारण ठंड का एहसास नहीं हुआ। अधिकतम तापमान 29 और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 3.2 और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

ग्रेटर नोएडा में किसानों की गिरफ्तारी पर भड़के किसान, कहा, तुरंत करो रिहा, सरकार ने दिया धोखा

लखनऊ। संयुक्त किसान मोर्चा उप्र ने ग्रेटर नोएडा में संयुक्त किसान मोर्चे के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे सैकड़ों किसानों की जिसमें बढ़ी संख्या में महिलायें भी हैं, उन सभी को तत्काल रिहा करने तथा किसान संघर्ष समिति से उच्चाधिकारियों द्वारा वार्ता करने की मांग की गयी। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों से कूच के बाद बनी सहमति में यातायात में किसी तरह के अवरुद्ध किये बगैर शांतिपूर्ण धरना चलाने का वादा किया गया था। जिसे किसानों ने निभाया लेकिन सरकार ने धोखा दिया। संयुक्त किसान मोर्चा ने जिलों से संयुक्त रूप से विरोध की अपील की है और बुधवार को बिजली निजीकरण के खिलाफ होने वाले आंदोलन में भी नोएडा के किसानो को तत्काल रिहा करने की मांग जोड़ दें। एसकेएम उप्र ने योगी सरकार को चेतावनी दी है कि इस तरह सरकार किसानों के हौसलों को तोड़ नही सकती है। पूरे प्रदेश में आंदोलन को और तेज किया जायेगा। उप्र किसान मोर्चा की ओर से उक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से किसान सभा के प्रांतीय मंत्री मुकुट सिंह ने दी।

संभल दौरे को लेकर पुलिस का बड़ा कदम, कांग्रेस एमएलसी आराधना मिश्रा लखनऊ में हाउस अरेस्ट

लखनऊ। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को यानी आज (4 दिसंबर) उत्तर प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ संभल का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने पड़ोसी जिलों के पुलिस अधिकारियों को एक पत्र भेजकर उनसे अनुरोध किया है कि वे राहुल गांधी को अपने जिलों की सीमाओं पर ही रोक लें। जिलाधिकारी का यह कदम विपक्षी दलों में चर्चा का विषय बन गया है। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाधिकारी के इस पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है और पुलिस तंत्र का खुला दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम सत्ता की असहिष्णुता और विपक्षी नेताओं के प्रति बेतहाशा डर का प्रतीक है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल संभल जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश से पार्टी के सभी 6 सांसद शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। राहुल गांधी के संभल दौरे को देखते हुए लखनऊ में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना को एक बार फिर हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। पुलिस ने उनके घर का गेट बंद कर दिया है, ताकि वह बाहर न जा सकें। आराधना मिश्रा ने सुबह से ही संभल जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

अखिलेश ने पलक झपकते ही भुना लिया संभल मुद्दा

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस के सांसद अडानी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे थे और सदन में सपा मुखिया अखिलेश यादव संभल मुद्दा उठाकर 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एडवांटेज ले गए। सपा के इस कदम से इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस अलग-थलग पड़ गई। सपा ने संभल हिंसा के मुद्दे को उठाकर मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश की, कांग्रेस पिछड़ती दिखी। कांग्रेस की तरफ से डैमेज कण्ट्रोल शुरू हुआ। ऐलान हुआ कि बुधवार को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में एक दल संभल हिंसा में मृतकों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। सपा सांसद इकरा हसन ने कहा कि संभल हिंसा ज्वलंत सामयिक मुद्दा है, लोगों की जान गई है। अडानी मामले को बाद में देखेंगे। तृणमूल कांग्रेस ने अडानी के मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं दिखी।हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में मिली हार के बाद टीएमसी ने राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर सवाल उठाए हैं। इंडिया ब्लॉक के दो मजबूत धड़े सपा और टीएमसी कांग्रेस के साथ खड़ी नजर नहीं आ रही है। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी अपने मुद्दे खुद सेट कर रही है। कांग्रेस के मुद्दे को उतना तवज्जो नहीं दे रही है। वजह साफ है, यूपी में कांग्रेस की मजबूती समाजवादी सियासत के लिए मुफीद नहीं, वह कांग्रेस को भाई मानती है लेकिन छोटे भाई की भूमिका में देखना चाहती है।

लखनऊ
तनवीर अहमद सिद्दीकी /संवाददाता/ व्यवस्थापक मो. 9335011869
अब्दुल रहमान संवाददाता मो. 9621322008
शकील अहमद, छायाकार
मो. सुमित कुमार नायब
मो. नफीस अहमद, छायाकार मो. 9026199925
अयोध्या
अयाज़ अहमद , ब्यूरो प्रमुख 9307370400
राकेश सिंह, संवाददाता मो. 94527 14950
तुफैल अहमद, संवाददाता मो.91 87360 18347
मो फहीम , संवाददाता/सोहावल मो. 9919659009
रुदौली
शाहिद सिद्दीकी, संवाददाता/ रुदौली मो.99 35 123801
फहीम अहमद, संवाददाता /रुदौली मो.91 99360 01098
विष्णु सिकरवार,ब्यूरो प्रमुख, आगरा 9411650022,9837077711
नदीम अहमद सय्यद ब्यूरो प्रमुख, गोंडा 7039999099
अताउर रहमान सिद्दीकी सह संपादक

लखनऊ का अभिमान
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं सम्पादक मो0 सफीर सिद्दीकी द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29 पुराना किला, कैंट रोड, हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं कार्यालय न0 6 ग्रैंड मार्केट निकट मेडवेल हॉस्पिटल कैंट रोड लखनऊ उत्तर प्रदेश से से प्रकाशित।

संपादक
मो0 सफीर सिद्दीकी
मो0-9335603148,933663148
0522-4108224
E-mail - lucknowkaabhiman@gmail.com
www.lucknowkaabhiman.com
RNI.NO. UPHIN/2013/55150
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।